दैनिक
राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र
DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल
Postal Regd. No. PKL-235/2024-26
www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   संपादक - डा.के.के.संधू   प्रबन्ध संपादकः सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 9 अंक 98 शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026 Friday 10 April, 2026 मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर राहुल गांधी का वादा, सरकार में आए तो जवानों को मिलेगा 'पूरा हक'

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के शौर्य दिवस के अवसर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो मौजूद भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त करेगी(**शेष पृष्ठ दो पर**)

इजराइल का लेबनान पर बड़ा हमला 254 लोगों की मौत ईरान भड़का, कहा-युद्धविराम का उल्लंघन, होर्मुज फिर बंद

इजराइल का दावा -लेबनान युद्धविराम का हिस्सा नहीं, कहा-पाकिस्तान खुद आतंकी देश उसकी मध्यस्थता नामंजूर

तेल अवीव 9 अप्रैल (निस) पश्चिम एशिया में इजराइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। बुधवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में 254 लोगों की मौत हो गई, जबकि 700 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उधर, एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। **अस्पतालों पर भारी दबाव, व्यवस्था चरमराई**-लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, देश के अस्पताल घायलों से भर चुके हैं और चिकित्सा व्यवस्था टूटने की कगार पर है। लगातार हमलों के कारण राहत और इलाज की व्यवस्था पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका का साफ बयान—'सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं' व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते का लेबनान से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि लेबनान में जारी सैन्य कार्रवाई इस समझौते के दायरे से बाहर है। **ईरान की चेतावनी—सीजफायर से पीछे हट सकते हैं**-–ईरान की न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, अगर लेबनान पर इजरायली हमले नहीं रुके, तो ईरान मौजूदा युद्धविराम समझौते से पीछे हट सकता है। यह संकेत देता है कि आने वाले दिनों में संघर्ष और व्यापक हो सकता है। **सीजफायर के बीच नेतन्याहू का ऐलान: समझौता करें या युद्ध, इजराइल हर हाल में पूरा करेगा लक्ष्य**-मध्य-पूर्व में जारी तनाव के बीच इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इज़राइल अपने सभी सैन्य और रणनीतिक लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करेगा। चाहे वह समझौते के जरिए हो या फिर दोबारा युद्ध शुरू करके। नेतन्याहू ने देश के लोगों की हिम्मत और सेना की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि इस संघर्ष में इज़राइल ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हो गया है, जबकि इज़राइल पहले से ज्यादा मजबूत स्थिति में है।उन्होंने उन सैनिकों और नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। साथ ही, घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस बयान के बीच जमीनी हालात अब भी तनावपूर्ण (**शेष पृष्ठ दो पर**)

ममता के कुशासन का घड़ा भर गया, परिवर्तन का समय-पीएम मोदी

बीरभूम रैली में लोगों से भाजपा को मौका देने की अपील

कोलकाता 9 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन अपरिहार्य है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के पाप का घड़ा भर गया है। उन्होंने राज्य के आर्थिक पतन का उल्लेख करते हुए कहा, राष्ट्रीय जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में बंगाल का योगदान पहले के 12 प्रतिशत से घटकर मात्र पांच प्रतिशत रह गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब अपरिहार्य है और बंगाल की जनता यही चाहती है। तृणमूल के पाप का घड़ा भर चुका है। आसनसोल पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया का राज है। उन्होंने दावा किया कि सत्ता परिवर्तन के बाद पश्चिम बंगाल नयी ऊंचाइयों को छुएगा। मोदी ने कहा, कभी समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र रहे आसनसोल से निवेश खत्म हो चुका है। केवल भाजपा की बल इंजन सरकार ही इसे सुधार सकती है। मोदी ने कहा कि केंद्र ने आसनसोल में उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए 45,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, तृणमूल ने बंगाल पर क्रूरता की है, जबकि भाजपा ने सत्ताधारी दल द्वारा खड़ी की गई बाधाओं के बावजूद आसनसोल का विकास किया। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आसनसोल और दुर्गापुर दोनों में मेगासिटी बनने की क्षमता है, और आश्वासन दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार उस विकास को साकार करेगी। उन्होंने दावा किया कि एसिड अटैक के मामलों में बंगाल सबसे आगे है। मोदी ने कहा, तृणमूल महिलाओं को प्रताड़ित करने वालों के साथ खड़ी है। केवल भाजपा ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। इससे पहले आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम, केरल और पुड्डुचेरी के मतदाताओं से विधानसभा चुनावों में बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को एक्स पर तीनों राज्यों में(**शेष पृष्ठ दो पर**)

नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के तौर पर लेंगे शपथ, पर सीएम पद से कब देंगे इस्तीफा.... ?

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) : बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य और राज्य में नई सरकार के स्वरूप को लेकर गहन चर्चा चल रही है। नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचकर शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वे मुख्यमंत्री के पद से कब इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार कब तक आकार लेगी? अब इस संबंध में संभावित तारीखें लगभग फाइनल हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेडीयू नेता विजय चौधरी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नई सरकार का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) करेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री के चेहरे पर अभी मुहर नहीं लगी है, लेकिन सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सम्राट चौधरी का नाम प्रमुखता से चर्चा में है। ऐसे में कहा जा रहा है, नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा(**शेष पृष्ठ दो पर**)

ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता -नितिन नबीन

कोलकाता 9 अप्रैल (निस) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान(**शेष पृष्ठ दो पर**)

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

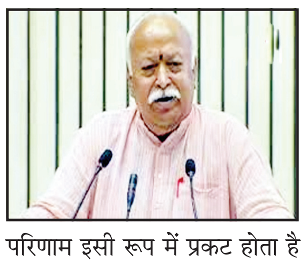

नागपुर 9 अप्रैल (निस) : महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है ।इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम (**शेष पृष्ठ दो पर**)

केरल में 75 प्रतिशत से अधिक मतदान, असम व पांडिचेरी में भी मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न, नतीजे चार मई को आएंगे

कोच्चि 9 अप्रैल (निस) असम, केरल एवं पांडिचेरी के विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान शांति पूर्वक संपन्न हो गया। मिली रिपोर्ट के अनुसार केरल में करीब 75 प्रतिशत जबकि असम व पांडिचेरी में करीब 62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जबकि आधिकारिक आँकड़े अभी तक नहीं मिले।

केरल-राज्य के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह से मतदाता अपने मताधिकार को इस्तेमाल करने के लिए पहुंचने शुरू हो गये थे। आयोग ने इस बार 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा प्रदान की है तथा उनके लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गयी है। राज्य की 126 सीटों के लिए कुल 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में 30,471 मतदान केंद्र बनाये गये।

इससे पहले मिली रिपोर्ट के अनुसार -असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आज एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। सुबह 11 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार असम(**शेष पृष्ठ दो पर**)

मौसम का बदला मिजाज: 13 राज्यों में भारी बारिश, ओला और आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) : अप्रैल के महीने में देश भर में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां इस समय चिलचिलाती धूप और लू का प्रकोप होता था, वहीं इस बार दिल्ली-एनसीआर से लेकर कोलकाता और भोपाल से लेकर जयपुर तक आसमान में बादलों का डेरा है। तेज हवाएं, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान को गिरा दिया है, बल्कि एक बड़े मौसमी बदलाव की ओर इशारा किया है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश के 13 राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में कोई एक चक्रवाती तूफान सक्रिय नहीं है, बल्कि कई मौसमी प्रणालियां एक साथ काम कर रही हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रहे सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ(**शेष पृष्ठ दो पर**)

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा विधि निर्माताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है- ओम बिरला

पणजी, गोवा, 9 अप्रैल (निस) : लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज विधि निर्माताओं से कहा कि वे अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी के साथ जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाएं और पारदर्शी, समावेशी तथा जवाबदेह शासन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए दूरदर्शिता, समर्पण और जन कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। ये गुण एक विकसित, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए जरूरी हैं। श्री बिरला ने ये बातें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, भारत क्षेत्र, जोन-सात के प्रथम सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान कहीं ।युवा विधि निर्माताओं की भूमिका पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि भविष्य के नेताओं के रूप(**शेष पृष्ठ दो पर**)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाधान शिविरों की औचक समीक्षा कर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री ने वीरवार को ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर प्रदेशभर में संचालित समाधान शिविरों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े नागरिकों की शिकायतें सीधे सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को उपायुक्त तथा उपमंडल अधिकारी कार्यालयों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत करते हैं। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर संभव होता है, उनका तत्काल निपटारा किया जाता है, जबकि शेष मामलों का समाधान 7 से 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाता है। गौरतलब है कि 10 जून 2024 से आरंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत अब तक प्रदेशभर में लगभग डेढ़ लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 78 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है।आज की बैठक में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने वर्ष 2024, 2025 और 2026 के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।बैठक के दौरान कुछ जिलों में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने कड़ा संज्ञान लिया। जिला महेंद्रगढ़ और एसडीएम कार्यालय बादशाहपुर में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहें और नागरिकों की समस्याओं को सुनें।मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविरों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित की जाती है, जिसकी अध्यक्षता संबंधित उपायुक्त द्वारा की जानी चाहिए। जो अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अधिकारी स्वयं बैठकों की अध्यक्षता करें और लंबित शिकायतों के समाधान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, महिला एवं (**शेष पृष्ठ दो पर**)

आईडीएफसी बैंक घोटाले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा-ऊर्जा मंत्री अनिल विज

अब हम असम भी जीतेगें, बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु और पुडूचेरी भी जीतेंगें- विज

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (के.के.संधू): हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आईडीएफसी बैंक में लगभग 560 करोड रूपए के घोटाले को लेकर कहा कि ''लगभग 560 करोड रूपए का घोटाला हुआ है और इस घोटाले में कुछ लोग खा गए और अपने खातों में भी राशि डाल ली या जो कुछ भी किया गया है, इसलिए सरकार इस मामले में सरकार किसी को भी नहीं बख्शेगी''। इसके अलावा, श्री विज ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले को सीबीआई को दिया जाएगा।श्री विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा बैंक घोटालों को लेकर आज दो आईएएस अधिकारी और एक एचसीएस अधिकारी को राज्य सरकार द्वारा निलंबित किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

''घोटालों के इन मामलों में कई लोगों को पहले भी गिरफतार किया जा चुका है''- विज

श्री विज ने कहा कि ''घोटालों के इन मामलों में कई लोगों को पहले भी गिरफतार किया जा चुका है और बैंक के अधिकारियों को भी गिरफतार किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह कह दिया है कि हम यह मामला सीबीआई को दे देगें और जब सीबीआई को मामला जाएगा तो देखना कि कैसे लाईन लगती है''।

''अब हम असम भी जीतेगें, बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु और पुडूचेरी भी जीतेंगें'' - विज

देश के पांच राज्यों में हो रहे चुनावों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि ''हम हरियाणा जीते, दिल्ली जीते, महाराष्ट्र जीते, बिहार जीते और अब असम भी जीतेगें, बंगाल भी जीतेंगे, केरल भी जीतेंगे, तमिलनाडु(**शेष पृष्ठ दो पर**)

पृष्ठ एक का शेष...

नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के तौर पर लेंगे ... सांसद के रूप में विधिवत शपथ ग्रहण करने के बाद भी कुछ दिनों तक बिहार के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 14 अप्रैल को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से स्वेच्छा से इस्तीफा दे देंगे। दिल्ली से लौटने के बाद, 13 अप्रैल को नीतीश कैबिनेट की अंतिम बैठक होने की चर्चा है, जिसके अगले दिन 14 अप्रैल को वे राज्यपाल को अपना त्यागपत्र सौंप सकते हैं। इसके बाद, 15 अप्रैल को नई सरकार के नए मुखिया और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होने की संभावना है। नई सरकार की रूपरेखा अंतिम दौर में है, और कहा जा रहा है कि इसके गठन में नीतीश कुमार की इच्छा और योजनाओं को प्रमुखता दी जाएगी।दरअसल, एनडीए ने पिछले चुनाव में 25 से 30, फिर से नीतीश के नारे पर बहुमत प्राप्त किया था। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर होली के दौरान सामने आई थी, जब लोग रंगों में डूबे थे। इस खबर के बाद अगले ही दिन पटना में जेडीयू कार्यालय के बाहर बवाल मच गया था, जिससे पार्टी पर दबाव बढ़ा। इन वजहों से राज्यसभा की शपथ और मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र के बीच एक अंतर रखा गया है। लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि दिल्ली में रहकर भी नीतीश कुमार बिहार की सरकार का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनकी नीतियों और योजनाओं के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी, और बिहार में शासन नीतीश मॉडल पर ही चलाया जाएगा। सरकार गठन में भी नीतीश कुमार की इच्छा के अनुरूप सामाजिक संतुलन को बरकरार रखा जाएगा।

ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है ... को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

इजराइल का लेबनान पर बड़ा हमला 254 लोगों की ...बने हुए हैं। इज़राइल डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने बेरूत में हिज़्बुल्लाह के एक बड़े नेता के करीबी सहयोगी अली यूसुफ हर्शी को मार गिराया है। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान में हथियारों के ठिकानों और सप्लाई रूट्स को भी निशाना बनाया गया है। इज़राइल का कहना है कि लेबनान में उसकी कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं है। इस बात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति छ्रष्ठ ङ्कड्डठ्ठष्द्ग ने भी स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई वादा नहीं किया गया था। इस बीच, इज़राइल की कार्रवाई से लेबनान में हालात और खराब हो गए हैं। लगातार हमलों के कारण वहां भारी जनहानि और तबाही की खबरें सामने आ रही हैं।

इज़राइल का तीखा हमला- पाकिस्तान पर भरोसा नहीं,आंतकवाद फैलाने वाला क्या करवाएगा शांति – अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम शांति वार्ता से पहले बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश है, इसलिए उस पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इज़राइल इस मामले में अपने अमेरिकी सहयोगियों पर निर्भर करेगा। दरअसल, पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बातचीत होने वाली है। इस बैठक का मकसद हाल ही में हुए दो हफ्ते के सीजफायर को मजबूत करना और स्थायी शांति का रास्ता निकालना है। ईरान ने संकेत दिया है कि वह अपनी 10 सूत्रीय योजना के आधार पर बातचीत करेगा, जिसमें प्रतिबंधों में राहत, भविष्य में हमलों की गारंटी और Strait of Hormuz से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच पहले से ही गहरा अविश्वास बना हुआ है। खासतौर पर लेबनान में जारी हमलों और सीजफायर उल्लंघन के आरोपों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।
नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया(सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना ... के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों काउद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मन:पूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

मौसम का बदला मिजाज: 13 राज्यों में भारी ... और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री नमी के आपस में टकराने से वातावरण में भारी अस्थिरता पैदा हो गई है। इसी टकराव के कारण अचानक गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। 11 अप्रैल के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है, जो मौजूदा स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में 10 और 11 अप्रैल को 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़ और मथुरा जैसे क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली आंधी और ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया है। बिजली गिरने की बढ़ती घटनाओं ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। बिहार में अगले 72 घंटे बेहद अहम माने जा रहे हैं, जहां दरभंगा और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में वज्रपात का खतरा बना हुआ है।मध्य भारत और राजस्थान में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर साफ दिख रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर संभागों में धूल भरी आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर में अगले 24 घंटों के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट है। हालांकि तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट से आम जनता को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह बदलाव किसानों के लिए आफत बनकर आया है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं और रबी की अन्य फसलें ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण बिछ गई हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं ने सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे शरण न लें। आने वाले तीन से चार दिन देश के बड़े हिस्से के लिए मौसम के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील रहने वाले हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने ... में युवाओं को नई नीतियाँ बनाने, सभी वर्गों के विकास को आगे बढ़ाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की ऊर्जा, नई सोच और जन सेवा के प्रति समर्पण देश को समृद्ध, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बना सकता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी विकास सुनिश्चित कर सकता है।विधायी संस्थाओं की बदलती भूमिका पर अपने विचार रखते हुए, श्री बिरला ने कहा कि जन कल्याण और अच्छे शासन के लिए राज्यों के विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र को दुनिया की सबसे बेहतर शासन प्रणाली माना जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि 1952 से हर चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ना भारत के मजबूत और जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है।श्री बिरला ने अनुसंधान, नवाचार और तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जन प्रतिनिधियों को विज्ञान और तकनीक की शक्ति का उपयोग करके लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों के इस दौर में भी मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही जरूरी है। उन्होंने विधि निर्माताओं से कहा कि वे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझें और सहानुभूति के साथ उनका समाधान करें। उन्होंने विधायी कार्यों, नियमों और प्रक्रियाओं को समझने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो प्रतिनिधि नीतियों और कानूनों पर चर्चा में सक्रिय रहते हैं, वे अपने राज्यों में मजबूत नेता बनकर उभरते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विधि निर्माताओं को प्रक्रियाओं की जितनी अधिक जानकारी होगी, उनकी भागीदारी उतनी ही प्रभावी होगी।श्री बिरला ने गोवा के पर्यटन, समृद्ध संस्कृति और ऊर्जा की सराहना की। उन्होंने सीपीए जोन-ङ्कढ्ढ में शामिल राज्यों—महाराष्ट्र गुजरात और गोवा—की लोकतांत्रिक परंपरा और प्रगतिशील सोच की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाएँ बहुत अधिक हैं और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मजबूत विधायी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा.... और पुडूचेरी भी जीतेंगें''।

''सरकार द्वारा मंडियों में फसल उपज की सुरक्षा हेतू सारी व्यवस्थाएं भी की जा रही है''- विज

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुडडा द्वारा मंडियों में किए जा रहे दौरों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने ब्यानी प्रहार करते हुए कहा कि ''हुडा साहब खुद मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने अपने समय में कुछ भी नहीं किया लेकिन अब हम कर रहे हैं, तो उसमें कमी निकाल रहे हैं''। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि ''बरसात हमारी सरकार पैदा नहीं कर रही है, बरसात ऊपर से आ रही है, और इसके लिए फसल उपज की सुरक्षा हेतू सारी व्यवस्थाएं भी की जा रही है''।

विश्व प्रसिद्ध मुगल कालीन यादवेंद्र गार्डन पिंजौर के सामने पीने के पानी के ट्यूबवेल के समीप नगर परिषद द्वारा लगाए कूड़े के ढेर गार्डन की सुंदरता पर बदनुमा दाग : दीपांशु बंसल

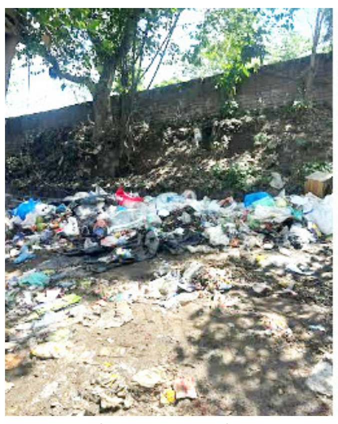

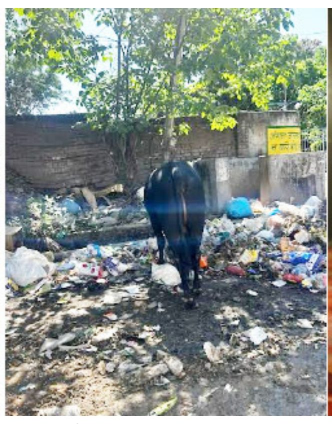

पिंजौर, 9 अप्रैल (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): पिंजौर शहर ही नहीं बल्कि देश की शान कहलाए जाने वाले पर्यटन केंद्र मुगलकालीन यादवेंद्र गार्डन पिंजौर के सामने पीने के पानी के ट्यूबवेल के पास नगर परिषद द्वारा कूड़ा डंप किए जाने से स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। लोगों के स्वास्थ्य और शहर की सुंदरता और देश-विदेश से पिंजौर गार्डन घूमने आने वालों को कूड़े के डंप से होने वाली परेशानी को देखते हुए कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपांशु बंसल एडवोकेट ने नगर परिषद पिंजौर- कालका जिला प्रशासन एवं सरकार से यहां पर कूड़ा डंप न करने की मांग की है। दीपांशु बंसल ने कहा कि सूत्रों से पता चला है कि नगर परिषद द्वारा सारे शहर का कूड़ा करकट पहले यहां पर डंप किया जाता है । उसके बाद यहां से कूड़ा उठाकर आगे कहीं और ले जाया जाता है। दीपांशु बंसल एडवोकेट ने कहा कि पीने के पानी के ट्यूबवेल के समीप इस प्रकार से शहर की गंदगी डालना शहर वासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है । यदि जल्द ही यहां पर कूड़ा फेंकना बंद ना किया गया तो आने वाली गर्मी के सीजन में भयंकर बीमारियां फैल सकती हैं। दीपांशु बंसल ने कहा कि यह विडंबना ही है कि जिस स्थान से आसपास के इलाके को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, वहीं पर कूड़े के ढेर लगाए जा रहे हैं, जिससे शहर में गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है। जबकि नगर परिषद प्रशासन लोगों के स्वास्थ्य के प्रति बेखबर नजर आ रहा है। दीपांशु बंसल ने कहा कि कूड़े से उठने वाली दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का रहना तक मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि दुर्गंध के अलावा यहां मक्खी-मच्छरों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कूड़े से निकलने वाला गंदा पानी जमीन में रिसकर ट्यूबवेल के जल स्रोत को भी प्रदूषित कर सकता है। दीपांशु बंसल ने कहा कि यह तो विशेषज्ञों का भी मानना है कि लंबे समय तक कूड़ा जमा रहने से भूजल की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिससे भूमिगत पानी में हानिकारक बैक्टीरिया और रसायन मिल सकते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं। दूषित पानी के सेवन से पेट संबंधी बीमारियां, त्वचा रोग और अन्य गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। दीपांशु बंसल एडवोकेट ने नगर परिषद प्रशासन से इस समस्या का जल्द समाधान करने की मांग करते हुए कहा कि यह कूड़ा शहर के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र यादवेंद्र गार्डन की सुंदरता पर एक बदनुमा दाग के समान है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मंडियों में पारदर्शिता बनाए रखना और किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य दिलाना हमारी जिम्मेदारी- उपायुक्त डॉ विरेंदर कुमार दहिया

पानीपत, 9 अप्रैल(हरप्रीत छत्तवाल) जिले में गेहूं और सरसों की फसल की आवक लगातार मंडियों में बढ़ रही है। किसान अपनी उपज के सुचारु विक्रय को लेकर रोजाना मंडियों का रुख कर रहे हैं। सरकार भी किसानों के हितों को लेकर सतर्क है और प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए है। गुरुवार को उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने इसराना की नई आधुनिक अनाज मंडी का दौरा कर खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आढ़तियों को कड़ी फटकार लगाई और फसल की खरीद कंप्यूटराइज्ड मीटर से करने के निर्देश दिए और कहा कि पुराने मीटरों को तत्काल हटवाया जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अपने सामने गेहूं और सरसों की फसल की जांच कराई। पुराने कांटों से तोली गई फसल और नए मीटर के बीच अंतर पाए जाने पर उन्होंने तुरंत सुधार के आदेश दिए और आढ़ती को निर्देशित किया कि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि अगली बार अनियमितता मिलने पर संबंधित आढ़ती और अधिकारियों का निलम्बन भी किया जाएगा। उपायुक्त ने मंडी में मौजूद किसानों की समस्याएं भी सुनीं और मौके पर समाधान कराया। किसानों ने ट्रांसपोर्ट की समस्या रखी जिस पर तत्काल कार्रवाई करने के उपायुक्त ने निर्देश दिए।उपायुक्त ने ऊंच अधिकारियों से भी इस संदर्भ में फोन पर बात की। उपायुक्त ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर नंबर लिखने, गेट पास अनिवार्य करने, बिजली-पानी और भोजन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और उनकी मेहनत का सम्मान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंडियों में पारदर्शिता बनाए रखना और किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि फसल की खरीद केवल कंप्यूटराइज्ड मीटर के माध्यम से ही की जाए, ताकि किसी प्रकार की धोखाधड़ी की गुंजाइश न रहे। अगर किसी किसान के साथ तोल में या भुगतान में जरा भी अन्याय होता है, तो संबंधित अधिकारी और आढ़ती के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी से बचना चाहिए। प्रशासन पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा है। उनकी फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन लगातार मंडियों का निरीक्षण कर रहा है, ताकि व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मंडियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। किसानों, आढ़तियों और मजदूरों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। मंडी परिसर में पुलिस बल की तैनाती की गई है और लगातार गश्त की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है, जिससे जाम की स्थिति न बने और किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। साथ ही, किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, चोरी या विवाद की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रशासन का सहयोग करें, अपने वाहनों पर नंबर अंकित करें और गेट पास की व्यवस्था का पालन करें। यदि किसी को कोई समस्या आती है, तो तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करें। हम पूरी तरह से मुस्तैद हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा विभिन्न खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाधान शिविरों की औचक समीक्षा कर ...बाल विकास विभाग की निदेशक श्रीमती प्रियंका सोनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री बी.बी. भारती, श्री विवेक कालिया सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

ममता के कुशासन का घड़ा भर गया,परिवर्तन का ... चल रहे विधानसभा चुनाओं के लिए अलग-अलग संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। असम के लिए उन्होंने लिखा कि असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान शुरू होने के साथ ही, मैं असम की जनता से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मुझे उम्मीद है कि राज्य के युवा और महिला मतदाता उत्साहपूर्वक भाग लेंगे और इस चुनाव को लोकतंत्र एवं जन कर्तव्य का उत्सव बनाएंगे। उन्होंने पुडुचेरी के लिए लिखा कि पुडुचेरी विधानसभा चुनाव शुरू होने के उपलक्ष्य में, मैं सभी मतदाताओं से भारी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। मैं विशेष रूप से हमारे युवाओं और महिला मतदाताओं से लोकतंत्र की प्रक्रिया को मजबूत करने की अपील करता हूं। पुडुचेरी के भविष्य को आकार देने में हर वोट मायने रखता है। मोदी ने केरल के लिए लिखा कि केरल की जनता से 2026 के विधानसभा चुनावों में बड़ी संख्या में मतदान करने का आह्वान करता हूं। रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी केरल की लोकतांत्रिक भावना को और ज्यादा सशक्त बनाएगी। मैं विशेष रूप से राज्य के युवाओं एवं महिलाओं से आगे आकर बड़ी संख्या में मतदान करने का अनुरोध करता हूं। उल्लेखनीय है कि असम, पुड्डुचेरी और केरल विधानसभाओं के लिए आज सुबह 7 बजे मतदान शुरू हो चुका है।

केरल में 75 प्रतिशत से अधिक मतदान, असम व पांडिचेरी में भी मतदान शांतिपूर्वक ... में सबसे अधिक मतदान हुआ है, जहां 38.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पुडुचेरी में 37 प्रतिशत से अधिक और केरल में 32.78 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार असम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करने के लिए 31,940 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। संवेदनशील मतदान केंद्रों की निगरानी के लिए विशेष माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। इस बार चुनाव मुख्य रूप से सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच कड़ा मुकाबला दिखा रहा है। मतदाता बड़ी संख्या में अपने भविष्य के जनप्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर राहुल गांधी का वादा, सरकार में आए तो जवानों को... और जवानों को उनका पूरा अधिकार दिलाया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में राहुल गांधी ने सीआरपीएफ के शौर्य दिवस पर जवानों की वीरता और बलिदान को सलाम किया। उन्होंने लिखा कि सीएपीएफ के जवान देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं, चाहे सीमाओं की रक्षा हो, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुकाबला या फिर चुनाव जैसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में सीएपीएफ के भीतर प्रमोशन और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्षों की सेवा और समर्पण के बावजूद जवानों को समय पर पदोन्नति नहीं मिलती और उन्हें अपने ही बलों में शीर्ष नेतृत्व के अवसर से वंचित रखा जाता है। उनके अनुसार, उच्च पद अक्सर बाहरी अधिकारियों के लिए आरक्षित रहते हैं, जो एक तरह का संस्थागत भेदभाव है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार बनने पर इस व्यवस्था को बदला जाएगा, ताकि सीएपीएफ के जवानों को शीर्ष पदों तक पहुंचने का समान अवसर मिल सके। गौरतलब है कि सीएपीएफ के अंतर्गत देश के सात प्रमुख अर्धसैनिक बल आते हैं, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, सशस्त्र सीमा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स शामिल हैं। ये सभी बल गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं और देश की आंतरिक व सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते हैं। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब संसद ने सीएपीएफ के लिए एक एकीकृत कानूनी ढांचा तैयार करने वाले विधेयक को मंजूरी दी है।

आवश्यक सेवाओं के साथ उद्योगों को भी मिले गैस- उपायुक्त डॉ विरेंदर कुमार दहिया

गैस आपूर्ति सुधार को लेकर सक्रिय प्रशासन, औद्योगिक ईकाईयों के साथ होगी बुधवार को अहम बैठक

पानीपत, 9 अप्रैल(हरप्रीत छत्तवाल) हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 5 किलो एलपीजी सिलेंडर तथा एलपीजी, पीएनजी वितरण से जुड़े मुद्दों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान राज्यभर में गैस आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। वीडियो कांफ्रेंसिंग में उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया ने जिले में एलपीजी की वर्तमान स्थिति से मुख्य सचिव को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पानीपत में टेक्सटाइल उद्योग की अधिकता के कारण गैस की मांग

काफी अधिक है और यह उद्योग जिले की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि जिले को प्रतिदिन लगभग 250 एलपीजी सिलेंडर प्राप्त होते हैं, जिनका वितरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है। उपायुक्त डॉ दहिया ने बताया कि इन सिलेंडरों को अस्पतालों, विवाह-शादियों, घरेलू उपयोग और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए उपलब्ध करवाया जाता है, ताकि किसी भी जरूरी सेवा में बाधा उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने गैस आपूर्ति को और अधिक प्रभावी एवं संतुलित बनाने के लिए रणनीति के तहत कार्य करने का सुझाव भी दिया। साथ ही उपायुक्त ने मुख्य सचिव को अवगत करवाया कि इस विषय पर बुधवार को इंडस्ट्री से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें व्यावहारिक समाधान और बेहतर समन्वय पर चर्चा की जाएगी। उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया ने कहा कि जिले में एलपीजी एवं पीएनजी की उपलब्धता को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और गंभीर है। हमारी प्राथमिकता है कि गैस की आपूर्ति का संतुलन इस प्रकार बनाए रखा जाए, जिससे एक ओर अस्पतालों, घरेलू उपभोक्ताओं एवं अन्य आवश्यक सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए, वहीं दूसरी ओर पानीपत के प्रमुख टेक्सटाइल उद्योग की जरूरतें भी सुचारु रूप से पूरी हो सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीमित संसाधनों के बीच भी हम प्रतिदिन प्राप्त होने वाले गैस सिलेंडरों का प्राथमिकता के आधार पर वितरण सुनिश्चित कर रहे हैं। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक आयोजनों एवं जरूरी संस्थानों को ध्यान में रखते हुए आपूर्ति की जा रही है, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। टेक्सटाइल उद्योग जिले की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए इसकी आवश्यकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी उद्देश्य से हम एक ठोस और व्यावहारिक रणनीति पर कार्य कर रहे हैं, जिससे उद्योगों को निरंतर गैस उपलब्ध कराई जा सके और उत्पादन प्रभावित न हो। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर रहा है। उनकी गैस संबंधित समस्या से भली भांति वाकिफ है। बुधवार को प्रस्तावित बैठक में सभी हितधारकों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाएगा और एक समन्वित कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित हो सके। हमारा प्रयास है कि पारदर्शिता, समन्वय और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से जिले में गैस आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए, ताकि आमजन और उद्योग दोनों के हित सुरक्षित रह सकें। इस मौके पर डीएफएससी दिव्या के अलावा कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गेहूं खरीद पर भाजपा सरकार द्वारा लगाई गई शर्तों से किसान होगा बर्बाद : लाली शर्मा

कैथल 9 अप्रैल(सुरेंद्र कुमार) : प्रदेश की भाजपा सरकार की ओर से मंडियों में किसानों की गेहूं खरीद पर जो अनाप-शनाप शर्तें लगाई गई हैं वह पूरी तरह से अनुचित है और यह नया फरमान किसानों के लिए पूरी तरह से संकट बन गया है। उपरोक्त शब्द राहुल गांधी युवा बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता लाली शर्मा टटियाना अनाज मंडी का दौरा करने के दौरान किसानो की समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे लाली शर्मा ने कहा कि किसान बारिश, सूखे व तूफान से नहीं डरता बल्कि न्याय से डरता है और यह सरकार किसान के साथ न्याय नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मेहनत

किसान की होती है जबकि मुनाफा कोई ओर ले जाता है, पसीना किसान का बहता है जबकि फैसला किसी ओर का होता है। आज किसान को सहानुभूति की नहीं बल्कि फसलों के उचित दाम मिलने की जरूरत है। शर्मा ने कहा कि जिस दिन किसान नाराज को गया तो उस दिन थाली से रोटी गायब हो जाएगी। किसान देश की रीढ की हड्डी होता है और जिस दिन यह हड्डी टूट गई उस दिन देश की अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह से तहस-नहस हो जाएगी इसलिए सरकार को किसान के उत्थान के लिए फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नियत में किसानों के प्रति खोट है और अनाप-शनाप शर्तें लगाने से यह सिद्ध भी हो गया है कि भाजपा सरकार पिछले दरवाजे से एम.एस.पी. खत्म करने का षड्यंत्र रच रही है। लाली शर्मा ने कहा कि खेती-किसानी को चौतरफा चौपट करती भाजपा की सरकार में नमी का बहाना बनाकर गेहूं खरीदी में प्राइवेट लूट का हथियार बनाया हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर की मंडियों में 2, 18,827.95 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है जिसमें से केवल 41,027.64 मीट्रिक टन की ही खरीदी हुई है। मंडियों में नमी और बरसात के कारण फसल भीगने से अभी 1,77,810.31 मीट्रिक टन गेहूं यूं ही पड़ी है। प्रदेश के चरखी दादरी, फतेहाबाद, हिसार, जींद, रोहतक, सिरसा सहित कई जिलों में तो गेहूं की खरीदी अभी शुरू भी नहीं हुई है और ऊपर से बरसात के कारण किसान काफी हताश एवं परेशान हो रहा है। उन्होंने बेमौसमी बरसात एवं ओलावृष्टि से नष्ट हुई किसानों की फसलों पर चिंता जाहिर करते हुए सरकार से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि के कारण कई क्षेत्रों में फसलों के भारी नुकसान की खबर चिंताजनक है। नुकसान का राज्य सरकार सही मूल्यांकन कर उचित मुआवजा दे। लाली शर्मा ने कहा कि जब प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार थी तब प्रदेश का हर वर्ग पूरी तरह से खुशहाल था और उस समय जिस तरह से किसानों की फसलों के दाम मिले थे उससे एक कहावत भी बन गई थी कि हुड्डा तेरे राज में फसल गई जहाज में लेकिन वर्तमान सरकार में अब फसलें ब्याज में जा रही हैं। प्रदेश के किसान की आय दोगुनी करने का झूठा वायदा कर सत्ता हथियाने वाली भाजपा ने किसानों को पूरी तरह से बर्बाद करने की ठान ली है जिसे कांग्रेस पार्टी कभी भी सहन नहीं करेगी।

रायपुररानी में भव्य अंबेडकर जयंती शोभा यात्रा : समानता और अधिकारों का संदेश

रायपुररानी, 9 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह): भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर रायपुररानी में श्री गुरु रविदास सभा की ओर से भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा 12 अप्रैल को शाम 4 बजे श्री गुरु रविदास मंदिर से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गों से गुजरेगी। यात्रा में समाजसेवी, संगठन और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इसका उद्देश्य बाबा साहेब के विचारों और समाज में समानता के संदेश को लोगों तक पहुँचाना है। यात्रा में आकर्षक झांकियाँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और बैनर होंगे, जो सामाजिक जागरूकता और युवाओं के अधिकारों को उजागर करेंगे। जानकारी देते हुए भीम आर्मी के मीडिया प्रभारी योगेश चन्ना ने बताया कि यह आयोजन समाज को जोड़ने और युवाओं में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह : हरियाणा के बेबाक राजनेता की पांच दशक की राजनीतिक यात्रा

-यशपाल कादियान, वरिष्ठ पत्रकार

1 नवम्बर 1966 को हरियाणा की स्थापना के पश्चात् राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों में जबरदस्त परिवर्तन होता चला गया। अनेक राष्ट्रीय व प्रान्तीय स्तर के नेताओं, राव बीरेन्द्र सिंह, पं. भगवतदयाल शर्मा, चौधरी बंसी लाल, चौ. देवी लाल, चौ.ओम प्रकाश चोटाला, चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, चौ. भजन लाल, श्री मनोहर लाल व वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री के पद पर आसीन रहे हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त सर्वाधिक कदावर व लोकप्रिय जननेता जो लगभग पांच दशक से भी ज्यादा समय से हरियाणा की राजनीति में छाए हुए हैं वे हैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह- उत्तरी भारत ओर साउथ एशियन रीजन के सर्वाधिक प्रभावशाली नेता रहबरे आजम दीनबन्धू सर छोटू राम के दोहते हैं। पिछले लगभग 6 मास से चौ. बीरेन्द्र सिंह और उनके सुपुत्र पूर्व सांसद श्री बृजेन्द्र सिंह सद्भावना यात्राओं के माध्यम से सर छोटू राम की दूरदर्शिता और कांग्रेस पार्टी की नितियों व सिद्धांतों का प्रचार व प्रसार करने में लगे हुए हैं। जन्म व शिक्षा चौ.बीरेन्द्र सिंह का जन्म चौधरी नेकी राम (पिता) व श्रीमती भगवानी देवी (माता) के घर 25 मार्च 1946 में डूमरखां कलां जिला जीन्द में हुआ। इनकी स्नातक की शिक्षा रोहतक से हुई और एल.एल.बी. की उपाधि पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ से ग्रहण की। बीरेन्द्र सिंह एक सुयोग्य राजनेता ही नहीं अपितु क्रिकेट के भी बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। कॉलेज व पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ की क्रिकेट टीम के कप्तान रहे हैं। अब भी जब समय मिलता है तो क्रिकेट जरूर खेलते हैं। लम्बी सैर करना व क्रिकेट खेलना इनका सब से बड़ा शौक रहा है। व्यक्तिगत जीवन इनका व्यक्तिगत जीवन बड़ा खुशहाल ओर सौहार्दपूर्ण है। इनका विवाह 9 जून 1970 को कर्नल अमर सिंह की बेटी श्रीमती प्रेमलता से हुआ। इनका एक बेटा श्री बृजेन्द्र सिंह व पुत्री गीताजंलि है। श्रीमती प्रेमलता योग्य सुशिक्षित, अनुशासित निपुण, मृदुभाषी, मिलनसार महिला है जिन्होंने परिवार चलाने के अलावा चौ. बीरेन्द्र सिंह को कदम कदम पर हर प्रकार से सहयोग दिया। इनकी संतान बहुत ही योग्य व होनहार है। बेटा बृजेन्द्र सिंह 21 वर्ष की आई.ए.एस. की नौकरी करने के पश्चात् 2019 में राजनीति में आये और हिसार लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद बने। श्रीमती प्रेमलता भी उचाना विधानसभा क्षेत्र से 2014-2019 तक विधायक रही। उन्होंने इस दौरान अपने उचाना विधानसभा की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और अनेक विकास कार्य करवाये। अपने मिलनसार स्वभाव के कारण जनता में बहुत लोकप्रिय रही। माता-पिता व पत्नी की भूमिका चौ. बिरेन्द्र सिंह के राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक चिन्तन पर इनके नाना सर छोटू राम का प्रभाव पड़ा। इनके पिता जी चौ. नेकी राम 1968-1972 तक चौ. बंसीलाल के मंत्रीमण्डल में राजस्वमंत्री थे तथा वे बहुत सादे ईमानदार, योग्य, लोकप्रिय व कुशल मंत्री रहे हैं। इनकी माता बचपन से इनको रहबरे आजम छोटू राम के विचार दर्शन व राजनीतिक संघर्ष के बारे में निरन्तर जानकारी देकर प्रेरित करती थी। अत: माता जी के प्रभाव के कारण इनकी विचारधारा दृढ़ होती चली गई। विवाह के पश्चात् इनकी पत्नी श्रीमती प्रेमलता की महत्वपूर्ण भूमिका रही क्योंकि घर में आने वालों की समस्याओं को ध्यान से सुनकर उनका

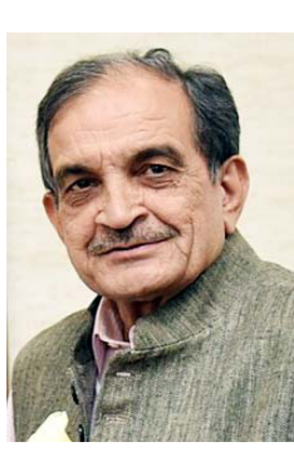

समाधान करवाने का प्रयास करती थी, हर आगुन्तक के लिए चाय-पानी और भोजन की व्यवस्था करती थी। वे इस जिम्मेवारी को आज तक निभा रही हैं। टीकाकारों के अनुसार 1972 के विधानसभा चुनाव आये तो इनके पिता चौ.नेकी राम मंत्री थे, उन्होंने घोषणा की कि अगर बीरेन्द्र सिंह चुनावी राजनीति करेगा, मैं चुनावी राजनीति नहीं करूँगा और 1972 में बीरेन्द्र सिंह ने कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ा। ऐसे थे चौ. नेकी राम। वे जुबान और सिद्धांतों के पक्के थे। 47 वर्ष के पश्चात् 2019 में चौ. बीरेन्द्र सिंह मोदी मंत्रीमण्डल में मन्त्री थे तो उनके बेटे बृजेन्द्र सिंह चुनावी राजनीति करना चाहते थे अत: उन्होंने घोषणा की कि परिवार से सिर्फ एक व्यक्ति ही राजनीति करेगा और बृजेन्द्र 2019 में हिसार लोकसभा से सांसद बने। चौ. बीरेन्द्र ने अपने पिता जी के सिद्धान्तों की पालना की। बीरेन्द्र सिंह एक कुशल राजनेता के रूप में बीरेन्द्र सिंह की राजनैतिक सोच को दीनबन्धू सर छोटू राम, पिता चैधरी नेकी राम ने तो प्रभावित किया ही है इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी, राजीव गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी की भी इनके राजनैतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है क्योंकि इन तीनों से ही बीरेन्द्र सिंह के बहुत मधुर सम्बन्ध रहे हैं। इन तीनों ने ही समय-समय पर इनको अपना सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद दिया। 1977 में पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के प्रति जबरदस्त रोष था और जनता पार्टी की लहर थी तथा श्रीमती इन्दिरा गांधी ने उचाना विधानसभा से टिकट दी और बीरेन्द्र सिंह विपरीत परिस्थितियों में चुनाव में विजयी हुए। इस प्रकार उचाना विधनसभा क्षेत्र से पाँच बार विधायक रहे हैं (1977 से 1982, 1982 से 1984, 1991 से 1996, और 2005 से 2009 तक विधायक और तीन बार राज्य मंत्रीमण्डल में कैबिनेट मंत्री रहे हैं तथा विधानसभा व लोकसभा की विभिन्न कमेटियों के चेयरमैन व सदस्य रहे। 1984 में स्वर्गीय इन्दिरा गांधी की निर्मम हत्या के पश्चात् होने वाले चुनाव में हिसार से लोकसभा के सांसद निर्वाचित हुए। इसके अलावा तीन बार राज्यसभा के सांसद रहे। चौ.बीरेन्द्र सिंह को कुशल मंत्री के रूप में तो जाना जाता ही है इसके अलावा पार्टी संगठन को चलाने का भी गहरा अनुभव है। वे 1980 -1982 में हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे तथा दो बार हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहे। सन् 1991 में हरियाणा विधानसभा का चुनाव इनके कुशल नेतृत्व में लड़ा गया और कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी। अनेक बार अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व चुनाव प्रभारी रहे तथा इनके सफल नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इन से बहुत प्रभावित रहता था।

चौ. बीरेन्द्र सिंह हरियाणा में ऐसे लोकप्रिय राजनेता हैं जिनके पास 90 विधानसभा क्षेत्र के लगभग 6841 गाँव में कार्यकर्ताओं की फौज है, जिनको वो उनका नाम लेकर पुकारते हैं। ये अपने कार्यकर्ताओं को अपने परिवार के सदस्य की तरह समझते हैं, उनके सुख-दु:ख में शामिल होते हैं तथा यथासम्भव हर प्रकार का सहयोग भी करते हैं जिस कारण इन से 40 से 50 वर्ष पुराने कार्यकर्ता भी जुड़े हुए हैं। ये कार्यकर्ता ही इनकी असली ताकत हैं जिस कारण बड़ी-बड़ी रैलियों का आयोजनऔर सद्भावना यात्रा सफलतापूर्वक कर रहे हैं। जीवन में अनेक बार राजनैतिक उतार-चढ़ाव के पश्चात् ये निरंतर आगे बढ़ते चले गए। कांग्रेस पार्टी छोड़ना और भाजपा में जाकर केन्द्रीय मंत्री बनना 2014 में बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता थे। उनकी कांग्रेस पार्टी शीर्ष नेतृत्व से बनती भी बहुत थी क्योंकि वो इनकी ईमानदारी, स्वच्छ छवि, कार्यकुशलता, स्पष्टवादिता से बहुत प्रभावित थे लेकिन हरियाणा कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से गहरे मतभेद होने के कारण 2014 में भारी मन से विवश होकर कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और 28 अगस्त 2014 को भाजपा में शामिल हो गये तथा हरियाणा में भाजपा की बड़ी-बड़ी रैलियों का आयोजन किया जिससे भाजपा नेतृत्व इनसे प्रभावित हुआ। 2014 में केन्द्र में भाजपा की सरकार बनने के पश्चात् इनको केन्द्र में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, पेयजल और स्वच्छता विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया तथा 2016 में इनका विभाग बदल कर केन्द्रीय इस्पात मंत्री बनाया गया। जिस विभाग के भी मंत्री बने उसको सफलतापूर्वक चलाया। इन का उद्देश्य सरकार में रह कर जनता की अधिक से अधिक भलाई करना ही होता था। व्यापक दृष्टिकोण और हरियाणा में 12-13 वर्ष मंत्री होने के कारण गहरा अनुभव था जिससे इनके विचार बिल्कुल स्पष्ट होने के कारण सही निर्णय लेने की क्षमता थी। 2019 में सामूहिक निर्णय लिया गया कि बेटे बृजेन्द्र सिंह को हिसार से चुनाव लड़वाया जाए। बीरेन्द्र सिंह ने घोषणा की कि मैं राजनीति तो करूँगा लेकिन चुनाव नहीं लड़ूँगा। इन्होंने अपने पिता की बात को दोहराया श्री बृजेन्द्र सिंह 2019 से 2024 तक सांसद रहे। भाजपा छोड़ कर कांग्रेस पार्टी में घर वापसी टीकाकारों के अनुसार चौ. बीरेन्द्र सिंह भाजपा की विचारधारा, किसानों, मजदूरों की अनदेखी, पूँजीवादी नितियों इत्यादि कारणों से घुटन महसूस कर रहे थे तथा 2024 में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देकर कांग्रेस पार्टी में घर वापसी कर ली ।सर्वगुण सम्पन्न नेता चौधरी बीरेन्द्र सिंह के गुणों की पूरे हरियाणा में चर्चा होती है कि 55 वर्ष के राजनैतिक जीवन में किसी भी प्रकार का आरोप न लगना बहुत बड़ी बात होती है तथा एक बेबाक, निडर, व्यापक दृष्टिकोण, चिन्तन, स्पष्टवादिता, ईमानदारी और जनहित की सोच रखने के कारण एक लोकप्रिय जननेता के रूप में जाने जाते हैं। जनता इन पर अथाह विश्वास व प्रेम करती है। ऐसे सर्वगुण सम्पन्न राजनेता विरले ही मिलते हैं। प्रमुख राजनैतिक विश्लेषक एवं दयाल सिंह कॉलेज के (सेवानिवृत) प्राचार्य डॉ. रामजी लाल के अनुसार चैधरी बीरेन्द्र सिंह उत्तरी भारत के एक सच्चे राष्ट्रवादी, व्यापक दृष्टिकोण, विचारों की स्पष्टता, किसान, मजदूर, दलितों और महिलाओं के हितों की आवाज उठाने वाले नेता हैं। उनके जो मन में होता है वही उनकी जुबान और कार्यशैली में होता है अर्थात् कथनी व करनी में कोई अन्तर नहीं होता। मैं आशा करता हूँ कि चौ.बीरेन्द्र सिंह अपने नाना जी दीनबन्धू रहबरे आजम सर छोटूराम की दूरदृष्टि, सोच व चिन्तन को समाज में फैलाने का प्रयास करेंगे ताकि जनता का सही मार्गदर्शन हो सके और जनता विभाजनकारी शक्तियों से सावधान हो सके।

COURT NOTICE

In the Court of Sh. vikas Verma Civil Judge Jr.Divn.-cum-JMIC, Panipat
CNR No. HRPP03-003535-2024
Next Date : 29.04.2026

Ritu
Versus
Kumaril Gugnani

Notice to: Sanjay Gugnani r/o Model town, near Bal vikas School, Panipat 9812322733

In above titled case the accused could not be served. It is ordered that accused should appear in person or through counsel on 29.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Panipat

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Civil Judge Jr.Divn. -cum-JMIC, Panipat

In the Court of Sh. Jetin Gujral Civil Judge (Sr.Divn.), Narnaul
CNR No. HRNR02-000447-2026
GW/2/2026
Previous date: 19.03.2026
Next Date : 29.04.2026

Babli
Versus
General Public

Notice to: General Public

In above titled case the General Public could not be served. It is ordered that General Public of India should appear in person or through counsel on 29.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Mahendragarh

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Civil Judge (Sr.Divn.) Narnaul

In the Court of Sh. Mohommad Sageer Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Rohtak
CNR No. HRRH02-000567-2026
Next Date : 29.05.2026

Yogesh Kumar Vats s/o late Mohan Lal Vats
Versus
General Public

Notice to: General Public, Rohtak

In above titled case the the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that the defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 29.05.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak

Dated this day of 07-04-2026

Sd/- Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Rohtak

बेदखली सूचना

मैं औमी देवी पत्नी स्व. श्री राम चन्द पुत्र श्री कली राम निवासी मकान नं. 24/10 वाल्मीकि बस्ती हांसी रोड करनाल सूचित करती हूं कि मेरा लड़का सुशील कुमार व इसकी पत्नी नीतू जोकि ये दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इन दोनों को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इन दोनों से लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

-शपथकर्ता

बेदखली सूचना

मैं सुनीता पत्नी स्व. श्री धीरेन्द्र निवासी वार्ड नं. 10 कृष्णा कॉलोनी, गोहाना,जिला सोनीपत सूचित करती हूं कि मेरी बेटी भावना जोकि मेरे कहने-सुनने से बाहर है, इसलिए मैं इसे अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

-शपथकर्ता

बेदखली सूचना

हम राजबीर सिंह पुत्र श्री जीता राम व बीरमती पत्नी श्री राजबीर सिंह निवासी गली नं.4 चांद सराय करनाल सूचित करते हैं कि हमारा लड़का मोहित व इसकी पत्नी नेहा जोकि यह दोनों हमारे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिए हम इन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में इन दोनों से लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें हमारी व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

-शपथकर्ता

8 नशा तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन-गांजा बरामद

लुधियाना 9 अप्रैल (निस) पुलिस ने बड़ी 8 नशा तस्करों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस कमिश्नरेट के अलग-अलग थानों की पुलिस ने नशों के विरुद्ध चलाई गई मुहिम के चलते नाकाबंदी कर अलग-अलग इलाकों से 8 नशा तस्करों को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 109 ग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम गांजा व 40 नशीली गोलियां बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना माडल टाऊन की पुलिस ने इलाके में गश्त के दौरान हेरोइन सप्लाई करने जा रहे एक तस्कर को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी से 70 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी की पहचान बस्ती जोधेवाल पंचशील कालोनी के रहने वाले गुरविंदर सिंह के रूप में हुई है।

COURT NOTICE

In the Court of Sh. Sagar Sharma Civil Judge (Jr.Divn.), Ganaur
CNR No. HRSOA0-000331-2022
Next Date : 04.07.2026

M/s Abycons Woolens Ltd.
Versus
Palwinder Singh Prop. of M/s Parkash Textile Engineering works

Suit for recovery of Rs. 550000/- along with interest may kindly be passed the order in favour of the applicant in the interest of justice.

Notice to: Palwinder Singh proprietor of M/s Parkash Textile Engineering works, office at: 4 Jaspal nagar Near old Octroi Sultanwind road, Amritsar, Punjab. Factory at: Sultanwind Link Road, opposite Mahindra Agency, G.T. Road, Amritsar Punjab.

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 04.07.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat

Dated this day of 07-04-2026

Sd/- Civil Judge (Jr.Divn.) Ganaur

In the Court of Sh. Jaibir Singh Additional District and Sessions Judge, Jind
CNR No. HRJN01-004076-2021
Next Date : 16.04.2026
CIS MACP/267/2021

Kailash chand
Versus
Sandeep alias Kalia

Claim petition u/s 166, 140 of the motor vehicle act as amended upto dated for grant of compensation

Notice to: Rakesh s/o Mahabir r/o 5-A, Pipal wala mohalla Badli Sirsapur North west delhi-110042 (owner of offending Toyota Frotuner no. DL-4CNE-4262)

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 16.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Jind

Dated this day of 04-04-2026

Sd/-Jaibir Singh, Additional District and Sessions Judge, Jind

---

In the Court of Nitika Bansal Civil Judge (Jr.Divn.) Karnal
CNR No. HRKR02-004748-2021
Next Date : 17.04.2026
Case No. CS/2720/2021

Canara Bank
Versus
Major Singh

Notice to:Jagtar Singh s/o Lakshar Singh r/o village Dachar tehsil Nissing distt. Karnal.

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 17.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_ notice&district=Karnal

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Civil Judge (Jr.Divn.), Karnal

In the Court of Nitika Bansal Civil Judge (Jr.Divn.) Karnal
CNR No. HRKR02-004959-2021
Next Date : 23.04.2026
Case No. CS/2893/2021

Bank of Baroda
Versus
Mohan Lal

Notice to: Mohan Lal s/o Ishwar Singh village Palwal, tehsil Thanesar, Distt. Kurukshetra

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 23.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Karnal

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Civil Judge (Jr.Divn.), Karnal

In the Court of Ms. Neha Goyal Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Sonipat
CNR No. HRSO02-000252-2026
Next Date : 06.05.2026

Divyam Garg
Versus
General Public

Notice to: General public, Sonipat

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 06.05.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonipat

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Sonipat

In the Court of Ms. Saravpreet Kaur Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Kurukshetra
CNR No. HRKU02-000408-2026
Next Date : 22.04.2026
CS-308/2026

Sita Rani alias Nirmal sharma aged about 73 years w/o Sh. Ramesh chander Sharma, r/o H.No. 421/475, opposite Matta Tent House, Indri Road, ward no. 10, Ladwa, tehsil Ladwa, Distt. Kurukshetra.
Versus
General Public

Suit for declaration u/o 7 rule 1 CPC read with section 34 to 39 of specific relief act. it is further prayed that a decree for declaration to the effect that true and correct name of the plaintiff is Sita Rani alias Nirmal Sharma and for declaration to the effect that Sita Rani and Nirmal sharma is one and the same lady who is plaintiff, may kindly be passed in favour of the plaintiff and against the defendant with costs, in the interest of justice.

Notice to: General public

In above titled case the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 22.04.2026 at 10:00 A.M.

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_ notice&district=Kurukshetra

Dated this day of 08-04-2026

Sd/- Saravpreet Kaur Addl. Civil Judge (Sr.Divn.), Kurukshetra

सम्पादकीय

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शां?ति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के ?लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पा??किस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थाई रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शा?मिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रप?ति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाड़ी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर ?दिये हैं। अमेरिका को जो साख दु?निया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध ??विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बट्टा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध ?विराम की जरूरत थी। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दु?निया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्वाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा एवं सत्ता के नए समीकरण

- - योगेश कुमार गोयल

- सियासी रण में पांच राज्य-सत्ता की कुर्सी किसके नाम?

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों ने देश की राजनीति को उबाल पर ला दिया है। केरल से लेकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी तक सियासी हलचल अपने चरम पर है। रैलियों की गूंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। हर राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडे, घोषणापत्र और रणनीति के साथ मैदान में है और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनाव केवल सरकार बनाने का साधन नहीं बल्कि बीते पांच वर्षों के कामकाज का जनमत संग्रह और आने वाले राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण है। इन पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक रणक्षेत्र है, जो राष्ट्रीय राजनीति की धुरी को प्रभावित कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम भी बेहद दिलचस्प है, असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 मई को घोषित होंगे और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसके पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया। इस बार का चुनावी परिदृश्य कई स्तरों पर जटिल और बहुआयामी है। सत्ताधारी दल जहां अपने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और 'डबल इंजन' जैसे नारों के सहारे जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक खामियों को मुद्दा बनाकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। यह संघर्ष अब केवल सत्ता का नहीं रहा बल्कि विचारधारा, नीतियों और विकास के मॉडलों की प्रतिस्पर्धा में बदल चुका है। सबसे अधिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है पश्चिम बंगाल, जहां राजनीतिक तापमान सबसे ज्यादा है। 294 सीटों वाली विधानसभा में 6.44 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा था जबकि भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस बार मुकाबला और अधिक तीखा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस अपने 'बंगाल मॉडल', महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, वहीं भाजपा 'डबल इंजन' सरकार के वादे और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रही है। रोजगार, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यहां मुकाबला बेहद कांटे का होगा, एक तरफ ममता बनर्जी की राजनीतिक विरासत दांव पर है तो दूसरी ओर भाजपा के लिए यह पूर्वी भारत में विस्तार का सुनहरा अवसर है। असम का चुनाव भी कम दिलचस्प नहीं है। 126 सीटों वाली विधानसभा में 2.25 करोड़ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां मुख्य सवाल यही है कि क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर पाएगी या कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी का रास्ता तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर जनता के बीच है। वहीं विपक्ष सीएए-एनआरसी, बेरोजगारी और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रियता ने इस चुनाव को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। असम में परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पूर्वोत्तर भारत में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे। दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल की राजनीति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का प्रभाव इतना गहरा है कि राष्ट्रीय दलों की भूमिका सीमित हो जाती है। 234 सीटों वाली विधानसभा में 5.67 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में डीएमके गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपने 'द्रविड़ मॉडल', सामाजिक न्याय और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर मैदान में है। वहीं एआईए डीएमके गठबंधन महंगाई, बिजली संकट और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोल रहा है। इसके अलावा अभिनेता विजय की पार्टी का चुनावी मैदान में उतरना एक नया समीकरण बना सकता है, खासकर युवा मतदाताओं के बीच। केरल में 140 सीटों के लिए 2.7 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। यहां का चुनाव पारंपरिक रूप से सत्ता परिवर्तन के लिए जाना जाता रहा है लेकिन पिछले चुनाव में वाम मोर्चे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया था। इस बार यदि वह तीसरी बार सत्ता में आता है तो यह एक नया राजनीतिक अध्याय होगा। वाम मोर्चा अपने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के मॉडल को प्रमुखता दे रहा है जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर हमलावर है। भाजपा भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होता जा रहा है। पुदुचेरी भले ही छोटा केंद्र शासित प्रदेश हो, लेकिन यहां की राजनीति बेहद संवेदनशील और निर्णायक है। 30 सीटों वाली विधानसभा में 9.44 लाख मतदाता मतदान करेंगे। यहां गठबंधन राजनीति का महत्व सबसे अधिक है, जहां छोटे-छोटे वोट अंतर भी सत्ता की दिशा तय कर सकते हैं। पिछले चुनाव में एनडीए गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल सत्ता वापसी के लिए संघर्षरत हैं। इन सभी राज्यों में एक समान बात यह है कि वोट प्रतिशत और सीटों का समीकरण हमेशा सीधा नहीं होता। कई बार मामूली वोट अंतर भी भारी सीट अंतर में बदल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल बूथ स्तर तक अपनी रणनीति को मजबूत कर रहे हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार ने चुनावी अभियान को एक नई दिशा दी है, जहां नैरेटिव की लड़ाई केवल मैदान में नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी लड़ी जा रही है। चुनावी मुद्दों की बात करें तो इस बार कोई एक मुद्दा हावी नहीं है। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रूप में सामने आ रहे हैं। यही विविधता इन चुनावों को और अधिक जटिल और रोचक बनाती है। राजनीतिक दृष्टि से इन चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। इन राज्यों से आने वाली 116 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यदि भाजपा असम में अपनी पकड़ बनाए रखती है, पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन

सनक हारी, हौंसला जीताः युद्धविराम सफल होगा या नहीं

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की बिसात पर जब अहंकार और आत्मसम्मान का टकराव होता है, तो अक्सर नतीजा बारूद की ताक़त नहीं, बल्कि इरादों की मजबूती तय करती है। आज दुनिया के फलक पर जो कुछ घट रहा है, वह डोनाल्ड ट्रम्प की उस तथाकथित मजबूत छवि का विखंडन है, जिसे उन्होंने वर्षों की बयानबाजी से गढ़ा था। ट्रम्प, जो दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने का दावा करते थे, आज खुद अपनी ही बिछाई बिसात पर एक मज़ाक बनकर रह गए हैं। यह जंग बारूद की नहीं, बल्कि रसूख और जज्बात की थी, जहाँ ट्रम्प की धमकियाँ ईरान के संकल्प के सामने बेअसर साबित हुईं। वाशिंगटन के सत्ता के गलियारों में आज वह शोर नहीं है, जो कभी ईरान को नेस्तनाबूद करने के दावों से गूंजता था। इसके बजाय, वहां एक ऐसी खामोशी है जो किसी बड़ी हार को स्वीकार करने से पहले छाई रहती है। वर्तमान परिदृश्य में जो सबसे बड़ी सुगबुगाहट है, वह है दो हफ्ते के लिए थमा हुआ सीज़फायर कहने को तो यह युद्ध की मशीनरी पर लगा एक अस्थायी ब्रेक है, लेकिन हकीकत की गहराई में झांकें तो यह ट्रम्प और इज़रायल की उस हताशा का प्रतीक है, जहाँ वे समझ चुके हैं कि इस जंग को सीधे तौर पर जीतना मुमकिन नहीं है। दो हफ्ते का यह सीज़फायर मानवता के लिए उम्मीद की एक किरण है, लेकिन सत्ता के गलियारों में यह महाशक्ति की एक रणनीतिक पीछे-हट है। इज़रायल की तकनीक भी ईरान के हौसले का काट नहीं ढूंढ पाई, और यह स्पष्ट हो गया कि सुपर पावर का झुकना यह बताता है कि दुनिया अब बदल चुकी है। इस युद्ध में इज़रायल और अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन उन्हें उम्मीद नहीं थी कि एक मुल्क पाबंदियों के बीच भी इतना फौलादी इरादा दिखाएगा। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ का किरदार सबसे दिलचस्प रहा। ट्रम्प ने अपनी इज्ज़त बचाने के लिए शाहबाज़ शरीफ़ का एक रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया। जब दुनिया को लगा कि पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, तब असल में पर्दे के पीछे ट्रम्प प्रशासन ईरान की उन लगभग सभी शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में आ चुका था, जिन्हें वे कल तक असंभव करार देते थे शाहबाज़ शरीफ़ मात्र एक जरिया थे, असली समझौता तेहरान की शर्तों पर हुआ। ईरान ने अपनी शर्तों पर अडिग रहकर यह साबित कर दिया कि सत्ता की हनक हमेशा अडिग इरादों को नहीं कुचल सकती। ट्रम्प के लिए यह डील करना मजबूरी बन गया था, क्योंकि वे जानते थे कि ईरान की मिसाइलें अब उनके नियंत्रण से बाहर हो चुकी हैं। ट्रम्प के लिए यह दौर किसी चुनौती से कम नहीं है। उनके अपने देश में उठते विरोध के स्वर और वैश्विक मंच पर उनके फैसलों पर होते सवाल यह बताने के लिए काफ़ी हैं कि केवल आर्थिक पाबंदियों से किसी राष्ट्र का चरित्र नहीं बदला जा सकता। शाहबाज़ शरीफ़ के जरिए दिया गया बयान दरअसल ट्रम्प का वह एग्जिट रूट था, जिसने अमेरिका को एक बेहद जटिल और खर्चीले दलदल से बाहर निकलने का रास्ता दिया। ईरान ने न केवल अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा की, बल्कि यह भी दिखा दिया कि इज़रायल की तकनीकी श्रेष्ठता और अमेरिका के जंगी बेड़े भी उस संकल्प का मुकाबला नहीं कर सकते जो अपनी जमीन की अस्मिता से उपजा हो। अमेरिका की आंतरिक राजनीति में भी ट्रम्प इस वक्त बुरी तरह घिर चुके हैं, और यह समझौता उनकी गिरती लोकप्रियता को बचाने का एक आखिरी दांव है। ईरान ने अपने संयम और रणनीतिक धैर्य से यह संदेश दिया है कि जब हौसला पहाड़ जैसा हो, तो सुपर पावर की लहरें भी उससे टकराकर शांत हो जाती हैं। इतिहास गवाह रहेगा कि जीत उसकी हुई जो अंत तक मैदान में डटा रहा। कूटनीति के पन्नों में यह हमेशा दर्ज रहेगा कि कैसे एक महाशक्ति ने अपनी साख बचाने के लिए एक मध्यस्थता के मुखौटे का सहारा लिया और उन शर्तों के साथ एक ऐसी जंग से बाहर निकला, जिसे वह हर तरीके से हार रहा था। सीज़फायर का यह ठहराव भले ही अस्थायी हो, लेकिन इसने दुनिया को महाशक्तियों की सीमाओं का अहसास करा दिया है। अब गेंद ट्रम्प के पाले में है, कि वे इस दो हफ्ते के समय का उपयोग मानवता को बचाने के लिए करते हैं, या फिर अपनी ढहती हुई इज्ज़त को किसी और तरीके से संवारने की कोशिश में जुटे रहते हैं। ईरान की धरती पर गिरे हर बम ने उसके इरादों को कमजोर करने के बजाय और भी ज्यादा मजबूत किया है। इज़रायल का पक्ष जो कभी बहुत आक्रामक था, वह भी अब चुप्पी साधे बैठा है क्योंकि उसे समझ आ गया है कि जंग का अंत उनके पक्ष में नहीं होने वाला। ट्रम्प का यह कार्यकाल उनकी उस छवि के विपरीत रहा है जो वे दिखाना चाहते थे, और शाहबाज़ शरीफ़ का इस्तेमाल उनकी इसी कमजोरी को ढकने के लिए किया गया। अंत में, यह जंग हमें याद दिलाती है कि बारूद के ढेर पर बैठकर आप किसी का दिल और दिमाग नहीं जीत सकते। मानवता की पुकार आज सबसे ऊपर है, और इस युद्ध का स्थायी रूप से थमना ही विश्व शांति की एकमात्र राह है। ईरान का हौसला और अमेरिका की हताशा आज के वैश्विक इतिहास के सबसे बड़े अध्याय बन चुके हैं। सुपर पावर का यह मौन सरेंडर दुनिया के नए शक्ति संतुलन की ओर एक बड़ा और निर्णायक इशारा है।

कब पुनः शुरु होगी वरिष्ठ नागरिकों की रेल यात्रा छूट

– निर्मल रानी

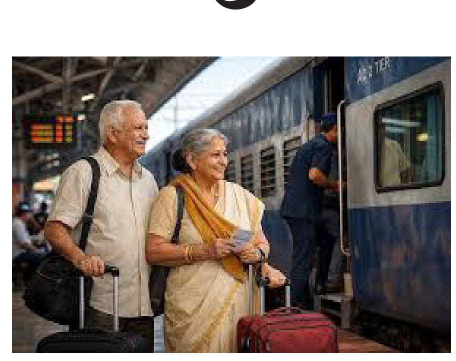

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के अनेक देशों में तरह तरह के अभूतपूर्व फ़ैसले लिये गये थे। प्राय: ऐसे फ़ैसलों का मक़सद कोरोना महामारी के संक्रमण को यथासंभव रोकना था। इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप्प हो गया था। अनेक देशों में लॉक डाउन लगा दिया गया था। कल-कारखाने सभी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बाज़ार आदि सभी बंद कर दिये गये थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहाँ पूर्ण लॉक डाउन लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू हुआ प्रथम चरण का यह पूर्ण लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परन्तु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णत: स्थगित कर दिया गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीक़े से यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 विशेष ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू, झारखंड,कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा के प्रमुख शहरों से जोड़ा गया था। बाद में धीरे धीरे इनका विस्तार किया गया। भारत सरकार ने इस अवसर का लाभ उठाते हुये वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छ: वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। ग़ौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है। भारत ने आपदा को, अवसर में बदल दिया है। रेल विभाग ने भी इसी आपदा में अवसर देखते हुये कोरोना काल की आड़ में कई ऐसे निर्णय ले डाले जो सरकार के लिये भले ही लाभदायक रहे हों परन्तु रेल यात्रियों के लिये तो हरगिज़ नहीं थे। मिसाल के तौर पर अनेक पैसेंजर ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन बताकर कहीं स्टॉपेज कम कर दिये गये तो कहीं किराया बढ़ा दिया गया। कई ट्रेन स्थाई रूप से कैंसिल कर दी गयीं तो कई ट्रेन के रूट बदल दिये गये। इनमें से कोरोना काल के समय किये गये कुछ परिवर्तन तो यथापूर्व किये गये परन्तु कुछ कोरोना काल समाप्त होने के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना। सवाल यह है कि जब यह छूट समाप्त करते समय अनावश्यक यात्रा रोकने जैसा तर्क दिया गया था तो आज तक उस छूट को पुन: लागू क्यों नहीं किया गया? जबकि अब न केवल कोरोना काल के पूर्व की लगभग सभी ट्रेन्स चल रही हैं बल्कि अनेक नई ट्रेन्स भी पटरियों पर दौड़ने लगी हैं? ग़ौरतलब है कि भारतीय रेल ने छात्र, दिव्यांगजन, रोगी, स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध विधवाएँ जैसी कुल 53 श्रेणियों में विभिन्न स्तर पर छूट दी थी। इन्हीं में वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली टिकट छूट की सुविधा विभिन्न चरणों में 1985 में शुरू की गई थी। अगस्त 2001 से इसे स्वैच्छिक बना दिया गया अर्थात वरिष्ठ नागरिक चाहें तो छूट ले सकते हैं। लेकिन यात्रा के दौरान छूट लेने वालों को अपनी आयु का कोई न कोई प्रमाण जैसे आधार, पैन कार्ड या पासपोर्ट आदि यात्रा के समय अपने साथ रखना अनिवार्य कर दिया गया था। इस सुविधा का लाभ देश के बुज़ुर्गों ने 35 वर्षों तक उठाया परन्तु स्वयं को लोकहितकारी बताने का ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसे कोरोना की आड़ में समाप्त कर दिया। जो सरकार छूट समाप्त करते समय अनावश्यक यात्रा रोकने जैसा तर्क दे रही थी वही सरकार अब इसे सरकार पर वित्तीय बोझ मान रही है। सरकार का तर्क है कि रेलवे पहले से ही भारी घाटे में चल रही है। रेल मंत्री संसद में बता भी चुके हैं कि रेलवे सभी यात्रियों को औसतन 45% सब्सिडी दे रही है। गोया प्रत्येक यात्री को पहले से ही काफ़ी राहत मिल रही है। कुछ आंकड़े बताते हैं कि सरकार अनावश्यक यात्रा रोकने जैसे उपाय कर देश के बुज़ुर्गों से अब तक दस हज़ार करोड़ से अधिक रूपये कमा चुकी है। इसी सन्दर्भ में इस बात का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है कि बुज़ुर्गों की रेल यात्रा छूट समाप्त करने वाली यही सरकार जब चाहती है और जहाँ से चाहती है विभिन्न तीर्थ स्थलों की मुफ़्त यात्रा हेतु विशेष ट्रेन चला देती है। जब चाहती है चुनावी राज्यों के लिये स्थानीय प्रवासियों हेतु विशेष ट्रेन चलाकर उन्हें मतदान करने हेतु नि:शुल्क भेजती है। गोया अपने वोट बैंक साधने के लिये तो सरकार तत्पर रहती है परन्तु इसी सरकार के पास न तो कोरोना काल की शुरुआत में इन्हीं प्रवासी मज़दूरों को उनके राज्यों व शहरों तक भेजने के लिये कोई ट्रेन थी न ही आज उन ट्रेन्स पर चलने वाले बुज़ुर्गों के लिये पूर्व में मिलने वाली छूट? हालाँकि कभी कभार अपुष्ट सूत्रों से यह ख़बर सुनाई देती है कि शायद सरकार पुन: यह छूट देने पर विचार कर रही है। परन्तु इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। विपक्षी सांसदों ने इसे बुज़ुर्गों के साथ अन्याय बताते हुये लोकसभा में भी कई बार सवाल उठाए परन्तु सत्ता पक्ष ने वित्तीय बोझ देकर यह सुविधा बहाल करने से इनकार कर दिया। बुज़ुर्ग संगठनों में भी इसे लेकर काफ़ी नाराज़गी व गहरी निराशा है।

डीईओ रितू पंघाल का नरवाना के गांव बेलरखा विद्यालय में औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की सराहना

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : जिला शिक्षा अधिकारी रितू पंघाल ने राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखा का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का गहन जायजा लिया। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने उनका स्वागत करते हुए स्कूल की उपलब्धियों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने कक्षाओं में उपलब्ध टी.एल.एम. शिक्षण-अधिगम सामग्री का अवलोकन किया और विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को परखा। उन्होंने मध्याह्न भोजन स्थल, किचन गार्डन, हर्बल पार्क, स्वच्छ पार्क और पार्किंग व्यवस्था का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने अटल टिंकरिंग लैब, फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी लैब, लैंग्वेज लैब, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, बैंकिंग लैब तथा मैथ्स लैब का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों की सराहना की। विज्ञान पैनोरमा और विज्ञान प्रश्नोत्तरी गैलरी को देखकर डीईओ रितू पंघाल विशेष रूप से प्रभावित नजर आईं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय की साफ-सफाई, अनुशासन और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए शिक्षकों को इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया।

कैमल आर्ट कांटेस्ट 2025 के परिणामों में छाय सतलुज स्कूल के विद्यार्थी

शाहाबाद मारकंडा, 9 अप्रैल (रूबी) : सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन ने बताया कि स्कूल में आयोजित कोकुयो कैमलिन लि. द्वारा आयोजित कैमल आर्ट कांटेस्ट 2025 के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें नन्हें कलाकारों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारना और उन्हें रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता के परिणामों में ग्रुप-ए से माहिर ने प्रथम,ओमेश ने द्वितीय और गुरसीरत कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप- बी में मयंक प्रथम, सरताज द्वितीय और अनिरुद्ध तृतीय, ग्रुप-सी में जसनीत सिंह ने पहला, राघव ने दूसरा और मनसीरत कौर ने तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रुप-डी की विजेता मन्नत रही, जबकि एवलिन दूसरे और परीक्षित तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप-ई में वंदिता ने प्रथम, हरमन ने द्वितीय और कंवलप्रीत ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी तरह ग्रुप-एफ में खुशप्रीत को पहला, गीत को दूसरा और सिमरन को तीसरा स्थान मिला। सभी विजेता प्रतिभागियों को मैडल और सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर स्कूल कॉर्डिनेटर मनिंदर सिंह घुम्मन, मोनिका घुम्मन, उप प्रधानाचार्य सतबीर सिंह सहित स्कूल स्टाफ मौजूद था।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने श्रवण गर्ग की पत्नी के निधन पर व्यक्त किया शोक

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लाडवा में श्रवण गर्ग की पत्नी के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी वीरवार को लाडवा में श्रवण गर्ग के निवास पर पहुंची। इसके बाद गांव बण में रमेश कुमार घर पहुंच पर उसके 20 वर्षीय पौत्र पार्थ का सडक़ दुर्घटना के कारण हुए निधन पर शोक जताया।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने गांव बण में सडक़ दुर्घटना के कारण 40 वर्षीय दलजीत के निधन और बण निवासी प्रवेश की पुत्रवधू के निधन पर भी शोक प्रकट करते हुए संवेदना व्यक्त की।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान इन दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस दुख्ख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की है। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, परमजीत कश्यप, अजय कुमार, अश्वनी कुमार, सुरेंद्र शर्मा, गुरमेज कश्यप, विशाल शर्मा, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सन्नी कालड़ा भी मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद केशव शाखा नरवाना की पहली आम बैठक में बड़े फैसले, सेवा व संस्कार के प्रकल्पों को मिली नई दिशा

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : भारत विकास परिषद, केशव शाखा नरवाना की नई कार्यकारिणी द्वारा आयोजित प्रथम आम बैठक बेहद उत्साहपूर्ण व प्रभावशाली माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक में पदाधिकारियों व सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।बैठक का शुभारंभ सचिव नाथूराम गोयल ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदीप गर्ग व कोषाध्यक्ष अभिनव गुप्ता ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय करवाते हुए उन्हें विभिन्न गतिविधियों की जिम्मेदारियां सौंपीं। सदस्यों ने तालियों की गूंज के साथ सभी का उत्साहवर्धन किया।बैठक में परिषद के प्रमुख प्रकल्पों जैसे संस्कार, सेवा, संपर्क, पर्यावरण व महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों के संयोजकों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं, जिससे संगठनात्मक कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

आगामी 12 अप्रैल 2026 को खाटू श्याम मंदिर, पतराम नगर में भव्य कीर्तन आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके अलावा वर्ष भर सदस्यों की वर्षगांठ मनाने एनीमिया व आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, गोकास्ट मशीन प्रोजेक्ट को सुचारू रूप से चलाने तथा 10 जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का दायित्व उठाने का संकल्प लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक माह एक आम बैठक किसी न किसी सदस्य के निवास स्थान पर आयोजित की जाएगी। अगली बैठक मई माह के प्रथम रविवार को नाथूराम गोयल के निवास पर होगी।परिषद परिवार ने सभी सदस्यों के सहयोग व सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए समाज सेवा के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

एंटी नारकोटिक सैल द्वारा 7.24 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित आरोपी काबू

राजौंद, 9 अप्रैल (नरेश कुमार) : नशा मुक्त हो जिला मुहिम तहत एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार नशा तस्करो पर कैथल पुलिस द्वारा लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में एंटी नारकोटिक सैल द्वारा नशा तस्करों को काबू किया गया है। एंटी नारकोटिक सेल के एएसआई रोहताश की टीम अपराध की रोकथाम हेतु गश्त पर थी। इसी दौरान महाराणा प्रताप चौंक राजौंद के पास एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नं 4 राजौंद निवासी विशाल हेरोइन (चिट्टा) का नशा करने व बेचने का कार्य करता है और बस अड्डा राजौंद के पास किसी के इंतजार में खड़ा है। सूचना को विश्वसनीय होने के कारण तुरंत रेडिंग पार्टी गठित कर बताए गए बस अड्डा राजौंद के पास दबिश दी गई। मौके पर एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने तत्परता से काबू कर लिया। पूछताछ में संदिग्ध की पहचान विशाल निवासी राजौंद के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंची ईटीओ कंचन पांड्या के समक्ष ली गई तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की जेब में एक पॉलीथिन से 7.24 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना राजौंद में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एसआई महिपाल द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा सरकार किसान हितैषी, किसानों के साथ हर कदम पर खड़ी : सतीश गोयल

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व आढ़ती सतीश गोयल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह किसान हितैषी है और किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की फसलों की खरीद, भुगतान और सुविधाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सतीश गोयल ने बताया कि मंडियों में गेहूं की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। किसानों को गेट पास से लेकर तुलाई और भुगतान तक हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते किसान मजबूत हो रहा है और उसे उसकी फसल का उचित मूल्य मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मौसम की चुनौतियों के बावजूद सरकार पूरी तरह सतर्क है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न आने दी जाए। भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गोयल ने बताया कि पिछले दो दिनों से हो रही हल्की बूंदाबांदी के बाद अब मौसम पूरी तरह साफ हो गया है और तेज धूप निकलने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण किसान काफी परेशान थे, लेकिन अब हालात सामान्य होते ही खेतों में कंबाइन मशीनें फिर से चल पड़ी हैं और किसान तेजी से अपनी गेहूं की फसल मंडियों में लेकर पहुंच रहे हैं। मंडी में गेट पास बनने की प्रक्रिया भी सुचारू रूप से जारी है और गेहूं की खरीद कार्य भी शुरू हो चुका है, जिससे किसानों के चेहरे पर राहत साफ नजर आ रही है।सतीश कुमार गोयल ने बताया कि भाजपा सरकार में कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी और सभी व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि बायोमेट्रिक प्रक्रिया में कुछ किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर उन्होंने सरकार से जल्द संज्ञान लेने और व्यवस्था को सरल बनाने की मांग की है, ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल नरवाना मे दूसरे दिन भी जारी, मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : नगर पालिका कर्मचारी संघ शाखा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित की हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। अग्निशमन कार्यालय में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।ब्लॉक नरवाना प्रधान राजा सिंह गुरथली ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 16 फरवरी 2026 को फरीदाबाद स्थित कालका केमिकल स्टील कंपनी में लगी भीषण आग में दो फायर कर्मचारी भवी चंद्र शर्मा और रणवीर सिंह शहीद हो गए थे।

उन्होंने सरकार से मांग की कि शहीद कर्मचारियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी तथा शहीद का दर्जा दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और फायर कर्मचारियों को समान काम, समान वेतन लागू करने की भी मांग उठाई। उन्होंने बताया कि आज कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा संगठन को वार्ता के लिए बुलाया गया है। यदि मांगें मान ली जाती हैं तो संगठन के निर्देशानुसार हड़ताल समाप्त कर दी जाएगी अन्यथा आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रहेगा। धरने को समर्थन देते हुए सफाई कर्मचारी संघ के प्रधान बंटी बेदी ने कहा कि यदि फायर कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज किया गया तो सफाई कर्मचारी भी हड़ताल पर उतरने को मजबूर होंगे। धरने में पवन कुमार, विनोद कुमार, रामनिवास, जयभगवान, सुभाष चंद, सत्यवान नैन, सोहन लाल, कमलजीत, प्रवीण कुमार, जोगिंद्र सिंह सहित अनेक फायर कर्मचारी मौजूद रहे।

डीसी ने किया विस्तार अनाज मंडी का दौरा, खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने बुधवार को विस्तार अनाज मंडी का दौरा किया और खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मंडी परिसर में सड़कों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को तुरंत मरम्मत और पैचवर्क करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों और वाहनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही कंट्रोल रूम को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सबसे पहले ढेरियों पर जाकर नमी मापक मीटर से गेहूं में नमी की जांच करवाई। साथ ही कांटे से गेहूं के एक बैग का वजन भी करवा कर देखा। इसके बाद उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मंडी के मुख्य गेट पर स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कंट्रोल रूम को बेहतर स्थान पर शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए, ताकि निगरानी व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सके। डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान हो, इसी लक्ष्य को लेकर कार्य किया जाए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए और फसल की तुलाई, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, किसानों के बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं चौक चौबंद रखें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मंडी में यदि गेहूं की अधिक आवक होती है तो अधिकारी पहले से ही जगह चिन्हित करके रखें, जहां उस गेहूं को रखा जा सके। भंडारण के दौरान गेहूं खराब नहीं होना चाहिए। सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए।

डीसी अपराजिता ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आएं, जिससे नमी की समस्या से बचा जा सके और खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने कहा कि फसल में अधिक नमी होने से खरीद में देरी होने की संभावना होती है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीएफएससी वरिंद्र सिंह, मंडी सचिव नरेंद्र ढुल, डीएमईओ अभिनव वालिया सहित अन्य खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्लास्टिक मुक्त घरौंडा अभियान में नगर पालिका का बड़ा कदम

अध्यक्ष हैप्पी लक गुप्ता व सचिव रवि प्रकाश शर्मा ने नागरिकों से की सहयोग की अपील

घरौंडा, 9 अप्रैल (सतीश कुमार पंडित) : नगर पालिका घरौंडा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वच्छ घरौंडा-हरित घरौंडा के संकल्प के साथ नगर पालिका ने शहरवासियों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कपड़े के थैले वितरित किए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका अध्यक्ष हैप्पी लक गुप्ता ने कहा कि प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने कहा कि यदि हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना चाहते हैं तो आज से ही प्लास्टिक का उपयोग बंद करना होगा। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि खरीदारी के समय कपड़े के थैलों का प्रयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि नगर पालिका द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक न केवल नालियों और सीवरेज व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि पशुओं और पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास तभी सफल होगा जब आमजन इसमें सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

अभियान के दौरान पार्षद भाई ओंकार दत्त शर्मा, भाई सोमनाथ प्रजापति, भाई अश्विनी राणा, पार्षद प्रतिनिधि भाई पंकज गुलाटी, जेसीआई घरौंडा प्रधान भाई अजय गुप्ता, भाई गगनदीप विग सहित नगर पालिका अधिकारी एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी नागरिकों से प्लास्टिक का बहिष्कार कर स्वच्छता अभियान में सहभागी बनने की अपील की। नगर पालिका ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि घरौंडा को स्वच्छ, सुंदर और पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त शहर बनाया जा सके।

सांसद नवीन जिन्दल ने पैरा राइफल शूटर रीना रानी की उपलब्धियों की सराहना कर बढ़ाया हौसला

कुरुक्षेत्र, 9 अप्रैल (करणदीप सिंह) : पैरा राइफल शूटर रीना रानी अपने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जीते हुए स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक लेकर सांसद नवीन जिन्दल से मिली। रीना रानी ने सांसद नवीन जिन्दल को अपनी उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राइफल शूटिंग में देश का नाम ऊंचा करने के लक्ष्य से भी अवगत कराया। रीना ने सांसद नवीन जिन्दल को, अपना खेल जारी रखने और अच्छे परिणाम लाने के लिए आर्थिक सहायता का भी मांगपत्र सौंपा। सांसद नवीन जिन्दल ने रीना रानी के जज्बे, लगन और कठिन मेहनत की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। सीमित संसाधनों और शारीरिक कठिनाई के बावजूद रीना ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह सराहनीय हैं और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर सांसद ने यह भी संज्ञान लिया कि रीना रानी को अपने खेल को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तुरंत सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में रुकनी नहीं चाहिए। सांसद नवीन जिन्दल की टीम द्वारा शीघ्र ही रीना की आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा और उसे आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम ऊंचा कर सके उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल स्वयं एक खिलाड़ी है। युवाओं को नशे से दूर करने और खेलों के प्रति उत्साहित करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। उनका प्रयास है कि अधिक से अधिक संख्या में युवा खेलों से जुड़े और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाएं।

10 रोगियों का करवाया गया डायलिसिस

शाहाबाद मारकंडा, 9 अप्रैल (रूबी) : इन्नरव्हील क्लब द्वारा गुर्दा रोगियों के लिए एक डायलिसिस सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह जानकारी देते हुए क्लब की प्रधान रेनू वधवा ने बताया कि परिवार कल्याण स्वास्थ्य एवं समुदाय पहल के अंतर्गत सामुदायिक सेवा के प्रति समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के गुर्दा रोगियों के लिए यह डायलिसिस सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि लाडवा रोड़ स्थित सिद्धार्थ अस्तपाल में क्लब द्वारा डॉ. दीपक शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में कुल 10 रोगियों का डायलिसिस किया गया। उन्होंने कहा कि क्लब अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए जरूरतमंदों की हर संभव सहायता कर रहा है। गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहायता, जूते, जर्सियां, स्टेशनरी, कुष्ट रोगियों के लिए भोजन, फल, कपड़े आदि देना जैसे प्रकल्प निरंतर किए जा रहे है। डायलिसिस करवाने के लिए रोगियों ने आई.डब्ल्यू.सी. के सदस्यों के सहयोग के लिए साधुवाद दिया।

अनाज मंडी से उठान कार्य किया शुरू, किसानों को सीजन में नहीं आने दी जाएगी कोई दिक्कत : अनुभव मेहता

– मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के दिए है निर्देश, अनाज मंडी में गेटपास, बायोमेट्रिक सहित गेहूं बिक्री में नहीं आ रही है कोई दिक्कत

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी में गेहूं के सीजन के दौरान किसानों को हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए सख्त निर्देश दिए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को मंडी में हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। आज मंडी में गेहूं की खरीद के साथ-साथ आज से उठान कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अनाज मंडी से गेहूं उठान समय पर होने से किसानों को गेहूं डालने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होगी। एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि अनाज मंडी में किसानों को अनाज मंडी में गेहूं लाने में कोई दिक्कत परेशानी नहीं हो रही है। मंडियों के सभी गेटों पर गेटपास आसानी से हो रही है। इसके साथ ही किसानों के लिए ऐप भी लॉन्च की हुई है। इस ऐप के माध्यम से अपना फोन पर किसान स्वयं भी गेटपास बना सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक

पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं।

इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि सभी मंडियों और गोदामों को जियो-फेंसिंग से जोड़ा गया है। इससे अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी और लोकेशन आधारित निगरानी प्रणाली और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मंडियों में माल की ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एंट्री गेट पास जारी करते समय वाहन नंबर और वाहन/लोड की फोटो दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बहुत पुराने या नए वाहनों के मामलों में, जहां वाहन नंबर उपलब्ध नहीं होता, वहां केवल वाहन की फोटो के आधार पर भी गेट पास जारी करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मंडी से स्टॉक बाहर ले जाने से पहले एग्जिट गेट पास के लिए ट्रांसपोर्टर और मार्केट कमेटी सचिव दोनों की अनिवार्य स्वीकृति सुनिश्चित की गई है। मार्केट कमेटी सचिव संत कुमार ने कहा कि अनाज मंडी लाडवा में बुधवार तक 33 हजार 272 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। इसके लिए 602 किसानों ने गेटपास बनवाएं हैं। इस मौके पर एएफएसओ बृजमोहन, प्रधान राजीव आर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, छात्राओं ने ली नशा मुक्ति की शपथ

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवानामें रेड क्रॉस सेल एवं नशा मुक्त भारत अभियान् के अंतर्गत नशा मुक्ति एवं एड्स महामारी के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी कमलदीप राणा ने शिरकत की जबकि नशा मुक्ति टीम जींद के इंचार्ज नरेश कुमार सहित उनकी टीम भी विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ.

अंजना लोहान ने की। मंच संचालन करते हुए रेड रिबन क्लब व नशा मुक्ति अभियान की इंचार्ज ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और मुख्य अतिथि का परिचय छात्राओं से करवाया। अपने संबोधन में डीएसपी कमलदीप राणा ने कहा कि नशा एक ऐसी गंभीर बीमारी है जो व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की चपेट में है तो उसकी जानकारी प्रशासन को दें ताकि उसका मुफ्त इलाज करवाया जा सके। उन्होंने मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को भी एक प्रकार का नशा बताते हुए छात्राओं को इसके दुष्प्रभावों से बचने की सलाह दी। इस दौरान नरेश कुमार और संदीप शर्मा साहिल ने भी अपने विचार रखते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में नरेश कुमार ने सभी छात्राओं और स्टाफ को नशा न करने की शपथ दिलवाई।प्राचार्या डॉ. अंजना लोहान ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद करते हुए कहा कि महाविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए रस्साकशी और दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी श्योकंद ने प्रथम स्थान हासिल किया जिन्हें डीएसपी कमलदीप राणा ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।इस अवसर पर डॉ. नयन दीप, डॉ. शालू, मधु शर्मा, रुक्मणी सैनी, सुमन गर्ग सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का उद्देश्य सोलर योजना के माध्यम से लाडवा वासियों को मुहैया करवाना है सस्ती ऊर्जा : सुमन सैनी

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हर घर पर सौर ऊर्जा पहुंचाने का लक्ष्य बनाया है। इस योजना के तहत नागरिकों को सस्ती ऊर्जा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए योजना में अधिक से अधिक आवेदन करने को कहा है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी वीरवार को लाडवा विधानसभा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में नागरिकों को संबोधित कर रही थी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने इस दौरान नागरिकों की समस्याओं को सुना। नागरिकों की लिखित समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से विधानसभा की फीडबैक भी ली। उन्होंने नागरिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को इन योजनाओं का लाभ योग्य पात्रों तक पहुंचाने में अपना योगदान करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिन परिवारों की

आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है उन्हें दो किलोवाट तक का सोलर मुफ्त दिया जा रहा है। इस सोलर सिस्टम से घरों के बिजली के बिल शून्य आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी प्रति किलोवाट के लिए 30 हजार रुपए की सब्सिडी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के नागरिकों को इस योजना का और लाभ देने के लिए अतिरिक्त भार को अपने तरफ से दिया जा रहा है।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से जो वादे किए थे, उन्हें एक के बाद एक करके पूरा किया जा रहा है। महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपए देने का वादा किया था। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू किया और बहनों के साथ किए हुए वादे को पूरा किया। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस योजना का विस्तार भी करने जा रहे हैं। जिसकी घोषणा भी मुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद और अधिक महिलाएं इस योजना की पात्र होंगे। मौजूदा समय में लगातार महिलाओं के खाते में इस योजना की किस्तें पहुंच रही हैं। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने आज लाडवा के वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। आनंद गोयल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवक रहे हैं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, परमजीत कश्यप, अनिल, गुप्ता, अनुज गोयल, संजय, गर्ग, श्रवण कश्यप, अनिल माटा, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सन्नी कालड़ा भी मौजूद रहे।

मूनक में गेहूं के 5 एकड़ खेत में लगी आग, आगजनी में पांच एकड़ फसल जली, किसानों ने सरकार से की मुआवजे की मांग

मूनक, 9 अप्रैल (जयभगवान) : मूनक गांव में कंबाइन द्वारा गेहूं काटने के दौरान अचानक खेतों में आग लग गई और तीन किसानों की पांच एकड़ फसल जल गई। आगजनी की सूचना घरौंडा फायर ब्रिगेड को दी गई लेकिन फायर ब्रिगेड पहुंचने से पहले ही किसानों ने आग पर काबू पा लिया। अगर समय से आग पर काबू न पाया गया तो आग फैल कर गेहूं की अन्य खड़ी फसल में भी लग सकती थी। घटना की सूचना के बाद पुलिस व पटवारी भी मौके पर पहुंचे। किसानों ने प्रशासन ने मुआवजे की मांग की है। आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए है। वीरवार को गांव मूनक में मूनक हेड के नजदीक बलराम शर्मा के खेतों में कंबाइन से गेहूं काटने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक चिंगारी भड़क उठी और तुरंत ही आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की पांच एकड़ फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी के बाद मौके पर किसानों में अफरा तफरी का माहौल देखने को मिला। तुरंत ही कंबाइन को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। किसानों ने ट्रैक्टर व हैरो और पानी की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि आग काफी ज्यादा थी लेकिन किसानों ने हिम्मम नहीं हारी और उन्होंने आग पर काबू

पा लिया। हालांकि आगजनी की सूचना डायल-112 की टीम को भी दी गई थी, पुलिस की ईआरवी और मूनक एसएचओ बृजपाल मौके पर पहुंच गए, लेकिन फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही किसानों ने आग पर काबू पा लिया।

आगजनी की इस घटना में बलराज के साढ़े चार एकड़, महेंद्र कौर के चार कनाल और गुरमुख के दो कनाल गेहूं जल गए। किसान बलराम शर्मा, गुरवचन व अन्य का कहना है कि कंबाइन खेत में कटाई का काम कर रही थी, अचानक ही खेत में धुंआ उठता दिखा और आग भड़क गई। जिसके बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। पांच एकड़ का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड घरौंडा से आती है तब तक बहुत देर हो जाती है। प्रशासन से अनुरोध है कि जल्द से जल्द मूनक में फायर स्टेशन बनाया जाए। मौके पर पूर्व मार्केट कमेटी के अध्यक्ष गुलाब सिंह, सरपंच ओम प्रकाश, पूर्व सरपंच हवा सिंह, होमगार्ड विनोद कुमार व सैकड़ो ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू किया गया। वहीं मौके पर पहुंचे पटवारी दिनेश कुमार ने बताया कि आगजनी की घटना में गेहूं की फसल जली है। रिपोर्ट तैयार करके उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और पीड़ति किसानों को मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मूनक थाना प्रभारी बृजपाल ने बताया कि आगजनी की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। किसानों ने फायर किया ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही काबू पा लिया था। अन्यथा बडा नुकसान हो सकता था। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आढ़तियों के विरोध के बाद हरकत में प्रशासन, घरौंडा मंडी में गेहूं खरीद शुरू कराने के निर्देश

घरौंडा, 9 अप्रैल (सतीश कुमार पंडित) : करनाल जिले की घरौंडा नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद शुरू न होने से नाराज आढ़तियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए खरीद प्रक्रिया को पटरी पर लाने के निर्देश जारी किए हैं।

प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मंडी में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और खरीद व्यवस्था सामान्य बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। उपायुक्त के निर्देश पर एडीसी राहुल कुमार ने मंडी का दौरा कर अधिकारियों, आढ़तियों और संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में मंडी में गेहूं खरीद, लिफ्टिंग, ट्रांसपोर्ट, गेटपास और आई-फॉर्म जनरेशन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एडीसी ने खाद्य आपूर्ति एजेंसी को रोस्टर के अनुसार तुरंत प्रभाव से खरीद शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों

और व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। एडीसी राहुल कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा खरीद का रोस्टर पहले ही जारी किया जा चुका है और सभी एजेंसियों को उसी के अनुसार कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडी में गेहूं से भरी गाड़ियों के वजन को लेकर उन्होंने कहा कि प्राथमिकता सरकारी कांटों को दी जाएगी, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी प्राइवेट कांटों का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने माना कि खरीद व्यवस्था की तैयारियों में कुछ कमियां रही हैं, जिन्हें तेजी से दूर किया जा रहा है। आईडी कई स्थानों पर खुलने के कारण गेटपास काटने में आ रही तकनीकी दिक्कतों को भी जल्द ठीक करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही प्रयास रहेगा कि मंडी से गेहूं की लिफ्टिंग शीघ्र हो ताकि मंडी में जगह खाली होती रहे और किसानों को इंतजार न करना पड़े।

मंडी प्रधान जयभगवान गोयल ने बताया कि आढ़तियों की सबसे बड़ी मांग खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा नियमित खरीद शुरू कराने की थी, जिस पर अब सहमति बन गई है। एजेंसी ने भरोसा दिलाया है कि वह प्रतिदिन खरीद करेगी और संबंधित निरीक्षक मौके पर मौजूद रहेंगे।

बैठक में प्रशासन ने आढ़तियों से अपील की कि भविष्य में किसी भी समस्या की सूचना सीधे अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। प्रशासन का दावा है कि शाम तक ड्यूटी लगाने सहित अधिकांश व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी और मंडी में खरीद प्रक्रिया पूरी तरह सामान्य हो।

लिवासा हॉस्पिटल्स ने कुरुक्षेत्र में ऑन्कोलॉजी ओपीडी शुरू की

कुरुक्षेत्र, 9 अप्रैल (करणदीप सिंह) : लिवासा हॉस्पिटल ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र में एक समर्पित ऑन्कोलॉजी ओपीडी और आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। लिवासा के ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ, मेडिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. जतिन सरीन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. मीनाक्षी मित्तल और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. विजय बंसल, हर महीने के दूसरे और चौथे गुरुवार को कुरुक्षेत्र के बीएस हार्ट केयर हॉस्पिटल में ओपीडी के लिए उपलब्ध रहेंगे। कुरुक्षेत्र के बीएस हार्ट केयर हॉस्पिटल में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. जतिन सरीन ने इस बात पर जोर दिया कि बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन कम होना, लगातार थकान, गांठें या सूजन, असामान्य रक्तस्राव, मल या मूत्र में खून आना और घावों का ठीक न होना जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि शुरुआती पहचान से जीवित रहने की संभावना में काफी सुधार होता है।

डॉ. विजय बंसल ने कहा कि सही चरण में की गई सर्जरी कई कैंसर में रोगमुक्त हो सकती है। लिवासा हॉस्पिटल्स, डॉ. अभिषेक गर्ग ने कहा कि कुरुक्षेत्र में विशेषज्ञ ऑन्कोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराने से मरीजों को घर के पास ही सुव्यवस्थित, निर्बाध और रोगी-केंद्रित देखभाल मिल सकेगी। इस दौरान निःशुल्क ऑन्कोलॉजी परामर्श शिविर का भी आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य शीघ्र जांच को प्रोत्साहित करना, कैंसर के चेतावनी संकेतों के बारे में जागरूकता फैलाना और समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना था।

गन्नौर लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान प्राप्त हुई 5 शिकायतें

गन्नौर, 9 अप्रैल (ब्यूरो) : गन्नौर लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान 5 शिकायतें प्राप्त हुई। समाधान शिविर का आयोजन एसडीएम प्रवेश काद्यिान की अध्यक्षता में किया गया। एसडीएम प्रवेश काद्यिान ने पांचों शिकायतों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान परिवार पहचान पत्र में गलत बिजली का मीटर दर्ज होने की शिकायत, जाति प्रमाण-पत्र बनवाने बारे, बिजली व पानी की शिकायतें प्राप्त हुई। एसडीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो निश्चित समय अवधि में सभी शिकायतों का समाधान किया जाए, जिससें शिकायतकर्ता को बार-बार सचिवालय के चक्कर न लगाने पड़े। इस दौरान एसीपी ऋषिकांत, तहसीलदार ललिता व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिला की मंडियों में की जा चुकी है 3 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 9 अप्रैल (ब्यूरो) : उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार देर सांय तक जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में 03 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को दो एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। उपायुक्त ने बताया कि जिला की मंडियों में पहुंचे 03 हजार 374.1 मीट्रिक गेहूं में से हैफेड द्वारा 02 हजार 726 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 648.1 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में सोनीपत मण्डी में 2679.1 मीट्रिक टन गेहूं व गोहाना मंडी में 695 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि 03 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं को 118 किसान लेकर आए हैं और गेहूं की खरीद 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है।

सुमन सैनी ने वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने वीरवार को लाडवा के मार्केट कमेटी के सदस्य अनुज गोयल के पिता वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। आनंद गोयल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवक रहे हैं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्षा साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, परमजीत कश्यप, अनिल, गुप्ता, अनुज गोयल, संजय, गर्ग, श्रवण कश्यप, अनिल माटा, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सन्नी कालड़ा भी मौजूद रहे।

एक भी शिकायत लंबित नहीं, अधिकारियों की तय होगी जवाबदेही : एसडीएम

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : स्थानीय लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में प्रशासन ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर कड़ा रुख अपनाया। एसडीएम जगदीश चंद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के निवारण का सबसे प्रभावी मंच है इसलिए यहां आने वाली हर शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित रहना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई मामला लंबित पाया गया तो संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होगा।एसडीएम ने कहा कि अक्सर शिकायतें एक से अधिक विभागों से जुड़ी होती हैं लेकिन अधिकारी जिम्मेदारी से बचने के बजाय सामूहिक प्रयास से समाधान निकालें। टाल-मटोल का रवैया पूरी तरह अस्वीकार्य है और इसे तुरंत बदला जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी समस्या के समाधान में विभागीय नियम बाधा बनते हैं तो अधिकारी मुख्यालय से मार्गदर्शन लें या अपने विवेक से ऐसा रास्ता निकालें जिससे नियम भी कायम रहें और आमजन को राहत भी मिल सके। इससे प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है।एसडीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और उनका स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश के हर नागरिक को इन शिविरों का पूरा लाभ मिले। वीरवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के अधिकारियों से सीधा संवाद कर समस्याओं के समाधान की समीक्षा की और शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।शिविर में प्राप्त शिकायतों पर मौके पर ही संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए।इस दौरान डीएसपी कमलदीप राणा, नायब तहसीलदार नरेश कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रोजेक्ट को लेकर नरवाना मे फिर तेज हुई कवायद, एक सप्ताह में शुरू होगा धनौरी ड्रेनेज सिस्टम : एसडीएम

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : सर्वजातीय नरवाना खाप और जननायक जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने एसडीएम नरवाना से मुलाकात कर लंबे समय से लंबित एसटीपी ,सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने खेतों में जमा दूषित पानी की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष से ही कई गांवों के खेतों में गंदा पानी भरा हुआ है जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगामी 15 दिनों में एसटीपी से धनौरी ड्रेनेज सिस्टम शुरू नहीं किया गया तो बारिश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस पर एसडीएम ने आश्वस्त किया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर नरवाना एसटीपी से धनौरी की ओर पानी निकासी का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इससे प्रभावित करीब आधा दर्जन गांवों के किसानों को राहत मिलेगी और फसलों को दूषित पानी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा। गौरतलब है कि यह परियोजना करीब दो वर्ष पूर्व हरियाणा सरकार द्वारा, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला की मंजूरी से शुरू की गई थी लेकिन विभिन्न कारणों से इसमें देरी हो गई। इस दौरान जेजेपी के प्रदेश प्रवक्ता बिट्टू नैन ने एसडीएम के समक्ष मांग रखी कि पुराना बस स्टैंड, प्रेम नगर और वसंत विहार क्षेत्रों को भी इस परियोजना से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यदि इन इलाकों को शामिल नहीं किया गया तो भविष्य में ओवरफ्लो की समस्या बनी रहेगी। साथ ही बताया कि इन क्षेत्रों की पाइपलाइन क्रॉसिंग को लेकर रेलवे विभाग से अभी तक मंजूरी नहीं मिल पाई है जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है।इस मौके पर पूर्व यूएलबी जिला प्रधान एवं पूर्व नगर पार्षद तरसेम शर्मा, युवा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप शर्मा, सुखचैन धरोदी, प्रवीन चोपड़ा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

शक्ति राइज फाउंडेशन ने सेवा और समर्पण के साथ पूरा किया एक वर्ष

कुरुक्षेत्र, 9 अप्रैल (करणदीप सिंह) : समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी संस्था %शक्ति राइज फाउंडेशन% ने माता रानी के आशीर्वाद से अपनी स्थापना का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस उपलक्ष्य में संस्था द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जरूरतमंद बच्चों के बीच प्रसाद वितरण कर और उनके साथ खुशियां साझा कर स्थापना दिवस मनाया गया। संस्था की संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा, एडवोकेट सुदेश शर्मा ने बताया कि बीते एक वर्ष में फाउंडेशन ने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल कार्य करना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कारों के साथ समाज के हर वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। संस्था ने मीडिया, समाचार पत्रों और ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत और प्राचीन ज्ञान को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया है। समय-समय पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

फाउंडेशन द्वारा निरंतर बहुआयामी जागरूकता अभियान चलाए गए। जिनमें कानूनी अधिकारों, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन और सरकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सिलाई केंद्रों की स्थापना कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया। साथ ही, जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी गई। अधिवक्ता और ज्योतिषी के रूप में समाज को नई दिशा दे रही एडवोकेट सुदेश शर्मा ने इस सफल सफर के लिए सभी सहयोगियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकल्प दोहराया कि आने वाले समय में फाउंडेशन अपने सेवा कार्यों का विस्तार करेगी ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जा सके।

इस अवसर पर संस्था के अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सोनीपत सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान प्राप्त हुई 10 शिकायतें

सोनीपत, 9 अप्रैल (ब्यूरो) : उपायुक्त नेहा सिंह ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो शिकायतों का समाधान जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करें। जिससे शिकायतकर्ता को किसी भी तरह की परेशानी न हो और बार-बार सचिवालय के चक्कर न काटने पड़े। गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर के दौरान 10 शिकायतें प्राप्त हुई।

समाधान शिविर का आयोजन उपायुक्त नेहा सिंह की अध्यक्षता में किया गया। सभी शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। समाधान शिविर के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुई। सोनीपत शुगर मिल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मेडिकल सुविधा प्रदान करवाने बारे, परिवार पहचान पत्र में पारिवारिक आय ठीक करवाने बारे, वेस्ट जुआं ड्रेन की खुदाई व सफाई करवाने बारे, सरकारी योजना के तहत बिजली का बिल माफ करवाने बारे, भू राजस्व से संबंधित, अवैध कब्जे करने वालों के खिलाफ एफआईआर करवाने बारे की शिकायतें प्राप्त हुई। इसी तरह से

दिव्यांग की पेंशन बनवाने बारे, महलाना गांव के सरपंच के खिलाफ गांव के विकास कार्यो में घटिया सामग्री का इस्तेमाल करने की शिकायत, बिजली व पानी की शिकायतें प्राप्त हुई। सभी शिकायतों पर सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा, डीसीपी कुशल पाल, सीटीएम सिमरन, एसीपी राजपाल सिंह, डीआरओ सुशील शर्मा, डीडीपीओ मनीष मलिक, तहसीलदार कीर्ति व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

शहर वासियों के सहयोग के बिना किसी अभियान को सफलता नहीं मिल सकती : नरेश

नीलोखेड़ी, 9 अप्रैल (सुरेश कुमार मिड्ढा) : स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के चलते नगरपालिका प्रधान सनमीत कौर आहूजा व सचिव डॉक्टर राहुल सैनी के प्रयास से रेलवे रोड के नजदीक पी एम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नीलोखेड़ी के समीप स्थान को कचरा मुक्त किया गया और गमले में पौधे लगाकर इस स्थान का सौंदर्यकरण किया गया।

खुलें में कचरा डालने वाले पर 5000 जुर्माना लगाने की चेतावनी दीवार पर लिखवाई गई। सभी दुकानदारो ने इस स्थान या नीलोखेड़ी शहर में किसी भी स्थान पर खुलें में कचरा ना डालने व नगरपालिका का सहयोग करने का आश्वासन दिया। नगर पालिका के सफाई योद्धाओं द्वारा शहर में लगातार अलग-अलग स्थानों पर गहन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नीलोखेड़ी शहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में प्रथम स्थान प्राप्त करे इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नपा कर्मचारी मेहनत और ईमानदारी से काम कर रहे हैं। प्रेरकों ने सभी नीलोखेड़ी शहरवासियों से अनुरोध किया है कि यह शहर आपका अपना है।

खुले में कचरा डालकर शहर को गंदा ना करें। शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और सुन्दर बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें। शहर वासियों के सहयोग के बिना नीलोखेड़ी को प्रथम स्थान मिलना संभव नहीं है। इस मौके नगरपालिका के सफाई इंचार्ज राजबीर, एक्सपर्ट रिंकी देवी, प्रेरक नरेश कुमार, संगीता रानी, सफाई दरोगा सुनील कुमार, विनोद कुमार, पवन कुमार, सलिंद्र, बलबीर, दलेल, बिल्लू, लखविंदर, अरुण कुमार, शुभम सहित सभी सफाई योद्धा मौजूद रहे।

समिति द्वारा पढ़ाए जा रहे बच्चे हुए अच्छे अंकों से उत्तीर्ण

सभी को है उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार : मुनीश भाटिया

शाहाबाद मारकंडा, 9 अप्रैल (रूबी) : पिछले अनेक वर्षो से जरूरतमंदो की हर संभव सहायता कर रही नर नारायण सेवा समिति द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी बच्चे अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हुए। समिति के संस्थापक अध्यक्ष मुनीश भाटिया ने समिति कार्यालय में जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा 25 पितृविहीन और जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में सहायतर की जा रही थी। जिनमें 3 लड़कियां 10+2 और एक लडके ने मैट्रिक की परीक्षा दी है, इसके इलावा 21 बच्चे अच्छे

अंकों से उत्तीर्ण हुए। सभी बच्चों का परीक्षा परिणाम 70 से 90 प्रतिशत तक रहा है, उन्हें आशा है कि अन्य बच्चें भी अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। भाटिया ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करने के साथ-साथ होनहार बच्चों की शिक्षा में सहायता करना भी समिति का लक्ष्य है। ताकि कोई भी होनहार बच्चा आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई से वंचित न रहे। भाटिया ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना सभी का अधिकार है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। समिति प्रोजेक्ट चेयरमैन सतपाल भाटिया और सचिव विनोद अरोड़ा ने बताया कि दानी सज्जनों के सहयोग से इन सभी बच्चों की पढ़ाई के इलावा समाजसेवा के प्रकल्प किए जा रहे है। समिति कोषाध्यक्ष हरीश विरमानी ने सभी सहयोगियो का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सतपाल भाटिया, विनोद अरोड़ा, हरीश विरमानी, विनोद शर्मा, करनैल सिंह, प्रिन्स आनन्द आदि मौजूद थे।

नरवाना में नशा मुक्ति का संदेश : राजीव गांधी सनातन धर्म महाविद्यालय के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से जगाई अलख

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : राजीव गांधी सनातन धर्म सहशिक्षा महाविद्यालय नरवाना में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. बबीता गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने हरियल चौक के पास नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। नुक्कड़ नाटक में छात्रों ने अपने जीवंत अभिनय के माध्यम से यह दर्शाया कि नशा किस प्रकार व्यक्ति के स्वास्थ्य, पारिवारिक जीवन और सामाजिक प्रतिष्ठा को बर्बाद कर देता है। भावनात्मक दृश्यों ने दर्शकों को झकझोर दिया और यह संदेश दिया कि नशे से दूर रहना ही एक स्वस्थ और सफल जीवन की कुंजी है। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा दिशालय के निर्देशानुसार नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत कॉलेज की नशा विरोधी जागरूकता सेल और यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास प्रवक्ता संजय और अंग्रेजी प्रवक्ता मोहित ने किया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक नशा विरोधी शपथ दिलाई गई जिसमें छात्रों, दर्शकों और आमजन ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठाने और स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था प्रशासक एवं उपमंडल अधिकारी नरवाना जगदीश चंद्र ने अपने संदेश में कहा कि नशा समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाते हैं।प्राचार्या डॉ. बबीता गर्ग ने कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा ताकि युवा पीढ़ी को सही दिशा मिल सके।

बीपीएल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता : उत्तम सिंह

करनाल, 9 अप्रैल (सुनील कुमार) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था लेकिन राज्य सरकार द्वारा योजना में बदलाव के बाद इसमें सभी पात्र बीपीएल परिवारों को लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार से बढ़ाकर 80 हजार किया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की यह आवास नवीनीकरण योजना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को इस योजना के लिए पात्र बनाया गया है। उन्होंने योजना के नियम शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि पहले मकान निर्माण के लिए या अपने समय के निर्मित मकान को बनाए हुए दस साल या इससे अधिक समय हो गया हो तथा मकान मरम्मत के योग्य हो तभी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने योजना की पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसका नाम बीपीएल सूची में दर्ज होना चाहिए। आवेदनकर्ता को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को बीपीएल परिवार होने का जाति प्रमाण पत्र दिखाना जरूरी है। आवेदनकर्ता का अपना घर कम से कम 10 साल पुराना होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रार्थी की परिवार आईडी, बीपीएल राशन कार्ड नंबर, राशन पत्रिका, एससी, बीसी जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या, मोबाइल नंबर, घर के साथ फोटो, बिजली बिल, घर की रजिस्ट्री, पानी बिल में से कोई भी दो, मकान की मरम्मत पर अनुमानित खर्च का प्रमाण जैसे कागजात जरूरी है।

ऐसे करें आवेदन

आवेदक को सबसे पहले (हरियाणाएससीबीसी.जीओवी.इन) से फॉर्म डाउनलोड करके उसे भरना है। उसे सरपंच या फिर पार्षद से सत्यापित करवाना होगा। फॉर्म के साथ में ऊपर बताए गए सभी दस्तावेज लगाने अनिवार्य है। यह फॉर्म नजदीकी सीएससी सेंटर से ऑनलाइन कराएं। तदुपरांत यह फार्म जिला के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में जमा कराएं। कोई भी गलत जानकारी न भरें। दस्तावेज की कॉपी साथ लगाएं।

निगम की जमीन पर किए अवैध कब्जे पर चला पीला पंजा, ध्वस्त की चारदीवारी, अस्थाई शेड

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : नगर निगम ने शहर में अपनी जमीनों पर हुए अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर सहायक नगर योजनाकार दर्शन लाल और भवन निरीक्षक हरिंद्र कुमार ने अपनी टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में वार्ड-11 के गधौली क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई चारदीवारी, गेट और अस्थायी शेड को जेसीबी से ध्वस्त कर हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर पीला पंजा चलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार्रवाई से पहले नगर निगम की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण कर जमीन की निशानदेही करवाई, जिसमें निगम की जमीन पर अवैध कब्जा मिला। कब्जा हटाने के लिए नगर निगम द्वारा कब्जा करने वाले को स्वयं जमीन कब्जा मुक्त करने के लिए कहा गया। जब उसने जमीन को कब्जा मुक्त नहीं किया तो नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई अमल में लाई गई।

टीम ने कब्जाधारकों द्वारा बनाई गई दीवार, गेट और शेड को पूरी तरह हटाकर जमीन को निगम के कब्जे में ले लिया। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि नगर निगम की संपत्तियों और सार्वजनिक जमीनों पर किसी भी

प्रकार का अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर के विभिन्न वार्डों में निगम की जमीनों पर कब्जों की लगातार शिकायतें मिल रही हैं, जिन पर चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे स्थानों की पहचान कर सूची तैयार की जाए और उसे कब्जा मुक्त कराए। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि किसी व्यक्ति ने अनजाने या जानबूझकर नगर निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है तो वह स्वयं उसे हटा ले। अन्यथा नगर निगम की टीम मौके पर पहुंचकर उसे ध्वस्त कर जमीन को खाली करवाएगी, जिसका खर्च भी संबंधित कब्जाधारक से वसूला जा सकता है।

मानसून से पहले सभी नालों व ड्रेन की होगी मुकम्मल साफ-सफाई : डॉ. वैशाली शर्मा

करनाल, 9 अप्रैल (सुमन लता) : नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने आगामी मानसून सीजन को देखते हुए निगम अभियंतओं को एक आदेश जारी कर कहा कि शहर के सभी बड़े नाले, कर्ण कैनाल (मुगल कैनाल), ड्रेन नम्बर-1 तथा मध्यम व छोटे नालों की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित स्टोरम वाटर डिस्पोजल पम्प की मरम्मत इत्यादि कार्य भी समय रहते शुरू करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून से पूर्व उपरोक्त सभी नालों व ड्रेन की सफाई करने व गाद

निकालने का कार्य किया जाता है। उन्होंने सभी कार्यकारी अभियंताओं को आदेश देते कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाले सभी नालों, ड्रेन व डिस्पोजल पम्पों की साफ-सफाई, गाद निकालने तथा मरम्मत इत्यादि कार्य करवाने के लिए उचित अनुमान तैयार कर प्रस्तुत करें। इसके लिए उन्होंने एक सप्ताह का समय दिया, ताकि समय रहते प्रशासनिक मंजूरी देकर निविदाएं आमंत्रित की जा सकें। निगमायुक्त ने अभियंताओं से कहा कि मानसून को लेकर ड्रेन व नालों की सफाई करवाने के सभी कार्य समय रहते शुरू करवा लिए जाएं, ताकि शहर में जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो और शहरवासियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आदेशों की सख्ती से पालना की जाए।

विजेता खिलाड़ी को अमरग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश भेंट कर दी उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं

मूनक, 9 अप्रैल (जय भगवान) : गांव पाढ़ा में क्रांतिवीर युवा नेता अक्षय आर्य व ग्रामीणों ने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में जीत हासिल कर लौटे खिलाड़ी शुभम का भव्य स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर अक्षय आर्य पाढ़ा ने खिलाड़ी शुभम और उनके कोच सुखदेव पाढ़ा को रूपयों की मालाऐं पहना कर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने उन्हें आर्य समाज का अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगे भी खेलों में देश और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि समाज में अच्छे कार्य कर रहे हैं और युवाओं को प्रेरित करते रहेंगें। इस मौके पर उनके साथ रहे डॉक्टर राजेश शर्मा, संदीप दहिया, नरेश, सोनू दहिया, रवि दहिया, सुरेश, संजू, मनी राम, वंश व दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

अनाज मंडी में डीसी का दौरा, अब 24 घंटे जारी होंगे गेट पास

किसानों की सुविधा सर्वोपरि, खरीद प्रक्रिया में नहीं होगी कोई लापरवाही : डीसी

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने गत संध्या नरवाना अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मंडी में चल रही खरीद व्यवस्था, उठान कार्य तथा किसानों को मिल रही सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की।डीसी ने स्पष्ट कहा कि गेहूं खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और भुगतान भी तय समय सीमा में सुनिश्चित किया जाएगा।किसानों को बड़ी राहत देते हुए डीसी ने निर्देश दिए कि अब मंडी में गेट पास 24 घंटे जारी किए जाएंगे। इससे किसानों को अपनी फसल मंडी में लाने और उठान कार्य में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी।उन्होंने अधिकारियों को मंडी में साफ-सफाई, पेयजल, बारदाना और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही खरीद एजेंसियों और आढ़तियों को आपसी तालमेल के

साथ काम करने और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए कहा।डीसी ने उठान कार्य को खरीद के साथ-साथ लगातार जारी रखने के निर्देश दिए ताकि मंडी में जाम की स्थिति न बने। उन्होंने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए तिरपाल सहित सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के भी आदेश दिए ताकि किसानों की फसल सुरक्षित रह सके।

उन्होंने दोहराया कि जिला प्रशासन गेहूं खरीद सीजन को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम नरवाना जगदीश चंद्र, मार्केट कमेटी सचिव पूजा, मार्केट कमेटी प्रधान अमित ढाकल, आढ़ती एसोसिएशन प्रधान जयदेव बंसल, जोरा सिंह सहित अन्य अधिकारी, आढ़ती और किसान उपस्थित रहे।

जिला में 78 हजार 184 मीट्रिक टन गेहूं की हुई आवक

करनाल, 9 अप्रैल (प्रवीन) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला की मंडियों में गेहूं की आवक जारी है। मंडियों में गेहूं की आवक के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे। गत दिवस तक जिला में करीब 78 हजार 184 मीट्रिक टन की आवक विभिन्न परचेज सेंटरों व मंडियों में हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 9065 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 3002 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 3739 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 2324 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया।

उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की बिक्री के दौरान किसानों को आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित समाधान के लिए डीआरओ कार्यालय में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके साथ ही गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने और किसानों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0184-2267271 व 0184-2980735 जारी किए गए हैं। यह हेल्पलाइन सेवा प्रतिदिन प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक क्रियाशील रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पंजीकृत नंबर वाले ट्रैक्टर ही मंडियों में लेकर आएं।

यदि किसी विशेष परिस्थिति में किसान ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें संबंधित एसडीएम से अनुमति लेनी होगी।

जनगणना में अपनी भागीदारी करें सुनिश्चित : उपायुक्त प्रीति

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : उपायुक्त प्रीति ने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना पोर्टल 16 अप्रैल से खोला जाएगा, जहां नागरिक स्वयं अपना पंजीकरण कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि यह पंजीकरण प्रक्रिया 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस अवधि के दौरान नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आसानी से अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इससे जनगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ-साथ डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होगी। जनगणना में भाग लेने के लिए एसई आईडी प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जनगणना प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लोग अपनी जानकारी स्वयं भरे सकते हैं, इसके लिए एसई स्व गणना पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है।

इसके अलावा, जनगणना कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर डेटा एकत्र किया जाएगा और हर नागरिक को एक एसई आईडी जारी की जाएगी, जो डेटा संग्रह की प्रक्रिया में सहायक होगी। जब प्रगणक आपके घर आए तो अपनी एसई आईडी दिखाकर प्रक्रिया आसानी से पूरी करें। उन्होंने बताया कि जनगणना में मकान से संबंधित जानकारी (मकान संख्या, फर्श,दीवार और छत की मुख्य सामग्री, मकान का उपयोग आवासीय एवं गैर आवासीय, मकान की स्थिति), परिवार की मूल जानकारी (परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, मकान का स्वामित्व, कमरों की संख्या), मूलभूत सुविधाएं (पेयजल का स्त्रोत, बिजली एवं प्रकाश की सुविधा, शौचालय की उपलब्धता और प्रकार, स्नानघर की सुविधा, रसोई एवं गैस कनेक्शन, खाना पकाने का ईंधन)व परिवार की सुविधाएं (रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, कम्पयूटर, मोबाइल फोन, दोपहिया, चार पहिया वाहन)आदि के बारे में पूछा जाएगा।

सभी सही और सटीक जानकारी प्रदान करें। उपायुक्त प्रीति ने 2027 की जनगणना के लिए देश भर के नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लें।

जनगणना के दौरान एकत्रित किए गए व्यक्तिगत आंकड़े जनगणना अधिनियम 1948 के तहत गोपनीय रखे जाएगे।

सभी नागरिक अपनी सही जानकारी देकर प्रगणक (एन्यूमैरेटर)का सहयोग व देश के विकास में योगदान करें। अपनी जिम्मेदारी निभाए और जनगणना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जिन उपभोक्ताओं के पास पीएनजी कनेक्शन, वे तीन माह के भीतर सरेंडर करें अपना एलपीजी कनेक्शन : डीएफएससी

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि जिले में (आईजीएल) द्वारा अब तक 11160 उपभोक्ताओं को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन उपलब्ध करवाए जा चुके हैं और उन्हें नियमित गैस आपूर्ति मिल रही है। एलपीजी के बजाय पीएनजी सस्ती, सुरक्षित और उपयोग में आसान है। इसलिए जिन उपभोक्ताओं ने पीएनजी कनेक्शन ले लिया है, वे जनहित एवं राष्ट्रहित में तीन माह के भीतर अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि पीएनजी कनेक्शन लेने के तीन माह के भीतर एलपीजी कनेक्शन सरेंडर नहीं किया जाता है, तो एलपीजी गैस की सप्लाई स्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी। इसके साथ ही, जिले में गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे आवश्यकतानुसार ही गैस खरीदें और अनावश्यक भंडारण से बचें। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन उपलब्ध नहीं है, वहां के निवासी भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं और पाइपलाइन शुरू होने पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कनेक्शन दिया जाएगा। एसडीएम अजय हुड्डा ने कस्बे में संचालित क्रॉप कटिंग एक्सरसाइज का रामगढ़ से मटौर रोड पर मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार फसल कटाई प्रयोग सम्पन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार किया जाए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने खेत में चयनित प्लॉट का निरीक्षण करते हुए माप प्रक्रिया, कटाई विधि तथा रिकॉर्ड की भी बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग सरकार की विभिन्न योजनाओं, विशेषकर फसल बीमा एवं उत्पादन आंकलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।निरीक्षण केदौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैसाखी पर कांग्रेस की ओर से अन्नदाता मिलन समारोह का आयोजन, जुटेंगे कांग्रेस के दिग्गज नेता

करनाल, 9 अप्रैल (संदीप/रविन्द्र) : जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में 12 अप्रैल को अन्नदाता बैसाखी मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक प्रेस वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए शहरी जिलाध्यक्ष पराग गाबा ने बताया कि यह कार्यक्रम मेहता फार्म में आयोजित होगा, जिसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व सांसद राज बब्बर, सरदार गुरदीप सिंह सप्पल (कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य), सरदार अमरिंदर राजा वारिंग (प्रदेश अध्यक्ष, पंजाब), प्रफुल्ल गुड्डे (एआईसीसी सचिव), जितेन्द्र बघेल (एआईसीसी सचिव), विधायक अशोक अरोड़ा, विधायक भारत भूषण बत्रा, विधायक आफताब अहमद, विधायक मनदीप चट्ठा, विधायक इंदु राज नरवाल सहित कई प्रमुख नेता विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी, जिनके माध्यम से पंजाब और हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से एकता और भाईचारे का संदेश दिया जाएगा।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता दिव्यांशु बुद्धिराजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से सभी वर्गों और 36 बिरादरी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समारोह के मंच से किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए आवाज बुलंद की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और कांग्रेस पार्टी उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भी कांग्रेस द्वारा पूरे सम्मान और गरिमा के साथ मनाई जाएगी।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय, समानता और संविधान के मूल्यों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जोगिंदर वाल्मीकि, बिंदर पोसवाल, दिलशेर डाचर, ललित आहूजा, दीपक महाजन, डॉ. चंद्रमणि नारंग, शेर सिंह डबरी, रिछपाल डबरी, नवनीत रंधावा और भारत ढिल्लो सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजराना कलां स्कूल में मनाया गया प्रवेश उत्सव

सरकारी स्कूल विकल्प नहीं, अपितु गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा के मजबूत केन्द्र : कौशिक

शाहाबाद मारकंडा, 9 अप्रैल (रूबी) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अजराना कलां में स्कूल के प्राचार्य डा. सुनील कौशिक के नेतृत्व में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक ने विशेष रूप से शिरकत की। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि सरकारी स्कूल विकल्प नहीं, अपितु गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा के मजबूत केन्द्र है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इंदू कौशिक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में सोच का बदलाव आया है अब ए फॉर एप्पल बोलना नहीं अपितु एडमिशन बोलना है। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रवेश उत्सव नया दाखिला लेने बच्चों का स्वागत किया गया। स्कूल के प्राचार्य डा. सुनील कौशिक ने स्टाफ सदस्यों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी का स्वागत किया। इस मौके पर गांव के सरपंच भूषण शर्मा, एसएमसी प्रधान सोनिया देवी, अंजू शर्मा, कविता शर्मा, सुमन, अरविंद शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, ज्ञानचंद, रामनिवास, मोतीराम, मीनाक्षी शर्मा, मनजीत सिंह, मेहरचंद, पूजा शर्मा, राजेश कुमार,किरण सरोहा, अंजना, शीतल, सुमन सहित विभिन्न स्कूलों के अध्यापकगण मौजूद थे।

आमजन को को मिलें सरकार की हर योजनाओं का लाभ : नवीन जिंदल

पिहोवा, 9 अप्रैल (विवेक) : सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि कृषि क्षेत्र को लाभदायक और सुरक्षित बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इसके लिए उन्होंने किसान संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। क्योंकि किसान ही सही तरीके से बता पाएगा कि फसल पैदा करने से लेकर बेचने तक उन्हें क्या दिक्कत आती है। किसान वर्ग ही इन दिक्कतों को दूर करने संबंधी सुझाव दे सकते हैं। सांसद नवीन जिंदल वीरवार को सिंचाई विभाग के विश्रामगृह में लोगों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले सांसद नवीन जिंदल ने आमजन की समस्याएं सुनी और उन्हें दूर करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि सरकार किसानों की फसल का दाना-दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी का प्रयास है कि किसानों के लिए जारी होने वाला पैसा सीधा उन तक पहुंचे और बीच में कोई भ्रष्टाचार ना हो। इसे लेकर नई नीतियां लागू की जा रही है। इन नीतियों से किसानों को घबराने या

परेशान होने की जरूरत नहीं है। बल्कि इससे उन लोगों पर कड़ा प्रहार होगा जो किसान के हक का पैसा घोटाला करके बीच में ही गबन कर जाते हैं। इसलिए सरकार ने मंडियों में ऑनलाइन व्यवस्था की है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हो रही बीमारियों से बचाव के लिए केवल प्राकृतिक खेती ही विकल्प है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसान जहां अपनी फसल को बीमारियों से बचाने में सफल हो रहे हैं। वहीं इससे पैदा उत्पादों की भी बाजार में अच्छी डिमांड और कीमत उन्हें मिल रही है। इसलिए जहर युक्त खेती छोडक़र किसानों को ज्यादा नहीं तो कुछ भूमि पर ट्रायल के रूप में प्राकृतिक खेती की तरफ मुडऩा चाहिए।

इस अवसर पर उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल कुमार दून, भाजपा नेता जय भगवान डीडी शर्मा,भाजपा जिला अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह गोल्डी, पिहोवा नगर पालिका चेयरमैन आशीष चक्रपाणि,मार्केट कमेटी पिहोवा चैयरमेन तरणदीप सिंह वडैच, विकास गर्ग, हरिओम अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष सुखबीर इसाक, भाजपा नेत्री गीता शर्मा, राकेश पुरोहित, सुरेंद्र ढींगरा, रामधारी शर्मा, विशाल, अंजय,कृष्ण मौर, पिहोवा अनाज मंडी एसोसिएशन प्रधान सतीश सैनी,मंडी प्रधान नवीन गर्ग, पिहोवा मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगल, गौरव सिंगला, विकल चौबे व विभिन्न गांव के सरपंच और पंच मौजूद रहे।

शिक्षा चिकित्सा की अलख जगाकर आमजन तक सुविधाएं पहुंचाने वाले संत थे बाबा मान सिंह : नवीन जिंदल

पिहोवा, 9 अप्रैल (विवेक) : गुरुद्वारा सचखंड ईशर दरबार जुरासी में ब्रह्मलीन संत बाबा मान सिंह की स्मृति में तीन दिवसीय बरसी समागम गुरुवार को संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में दूर दराज से पहुंची संगत ने संत बाबा मान सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद संत महात्माओं के विचारों को सुना। संत समागम में पहुंचे सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि सांसारिक सुखों का त्याग कर अपने जीवन को मानवता की सेवा में लगाने वाला व्यक्ति ही सच्चा संत होता है। दिवंगत संत बाबा मान सिंह का जीवन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग धरती पर ईश्वर के भेजे हुए

दूत होते हैं। संत बाबा मान सिंह ने अपना जीवन शिक्षा, चिकित्सा, कार सेवा जैसे जनहित के कार्यो में लगाया। बाबा मान सिंह जो राह दिखा कर गए। वे उसका अनुसरण करके यहां के लोगों की सेवा करना चाहते हैं। सांसद जिंदल ने कहा कि जब भी देश में कोई प्राकृतिक आपदा आई। भाजपा नेता जय भगवान शर्मा दद ने कहा कि संत बाबा मान सिंह ने हमेशा कार सेवा के जरिए लंगर लगाकर पीड़ितों की मदद की।

क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा के लिए अकादमी की स्थापना, लड़कियों के लिए नर्सिंग कॉलेज, चैरिटेबल अस्पताल स्कूल आदि उनकी इस क्षेत्र को देन हैं। जिंदल ने कहा कि बाबा मान सिंह देश और समाज के प्रति प्रोग्रेसिव सोच के संत थे। समागम में संतो ने संगत को गुरबाणी से जोड़कर निहाल किया। संत बाबा मणि सिंह ने कहा कि गुरबाणी मे जात पात ऊंच नीच का कोई स्थान नहीं होता। परमात्मा कभी किसी का कोई बुरा नहीं करते। आज जो कुछ भी हमारे पास है। वह सब कुछ परमात्मा की देन है।

समागम में रागी ढाडी जत्थे, कथावाचकों द्वारा शब्द कीर्तन के जरिए संगत को गुरुचरणों से जोड़ा। समागम में भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, बाबा दिलबाग सिंह, बाबा सुरजीत सिंह, निशान सिंह, राव वीरेंद्र सरपंच, मार्केट कमेटी चेयरमैन तरणदीप सिंह वड़ैच, महामंत्री विकास गर्ग, गुरिंदरजीत सिंह नत, सुरेश राणा बीबीपुर, जगत सिंह चंडीगढ़ फार्म, बलविंद्र सिंह काका, प्यारा सिंह, रामपाल, सतनाम सिंह व जसबीर जस्सी आदि मौजूद रहे ।

खिलाड़ियों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

असंध, 9 अप्रैल (दलसिह मान) : खिलाड़ियों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम सुमित सिहाग को ज्ञापन सौंपा। खिलाड़ियों गुलाब सिंह, भरत, विकास कुकरेजा, दीपक कुमार, हिमांशु शर्मा, कर्ण, सुरज, अमन व रविन्द्र ने कहा कि बच्चों के हरियाणा पुलिस कांस्टेबल पीएमटी और पीएसटी तिथि 15 अप्रैल 2026 से फिजिकल टेस्ट शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हाई स्कूल के ग्राउंड में गेहूं की खरीद यह ग्राउंड अलॉट कर दिया है जिससे कि बच्चों की फिजिकल में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि असंध में रंनिग के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि सुबह बहुत से बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सैर के लिए हाई स्कूल के ग्राउंड में ही आते है। उन्होंने कहा कि इस मैदान की देखरेख और मेंटेन भी बच्चों द्वारा आपसी सहयोग से किया जाता है। उन्होंने बच्चों के भविष्य को देखते हुए प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि हाई स्कूल के ग्राउंड में गेहूं खरीद के लिए जो प्रशासन द्वारा आदेश दिया गया उस पर विचार किया जाए और ग्राउंड में गेहूं न डाली जाए।

एस डी कन्या महाविद्यालय नरवाना मे धूमधाम से हुआ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : एस.डी. कन्या महाविद्यालय नरवाना में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ बड़े ही हर्षोल्लास, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक वातावरण के बीच किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में हवन, पूजन एवं संगीतमय कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं, स्टाफ व गणमान्य व्यक्तियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के प्रधान सुरेश सिंघल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के संस्थापक स्वर्गीय लाल गौरी शंकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। इसके पश्चात विधिवत सरस्वती पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया जिसमें लोक कल्याण, छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य और संस्था की निरंतर प्रगति के लिए आहुतियां दी गईं।हवन का संचालन पंडित मेहर चंद पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। पूर्णाहुति के उपरांत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रधानाचार्या नीना गुप्ता ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से छात्राओं में नैतिक मूल्यों, धार्मिक आस्था और संस्कारों का विकास होता है, जो उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रधान सुरेश सिंघल, उपप्रधान राजकुमार गोयल एवं महासचिव जियालाल गोयल ने सभी छात्राओं को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बरसात व ओलावृष्टि से फसलें तबाह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

50 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार : मेवा सिंह

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : क्षेत्र में गत दिवस हुई तेज बरसात और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। गेहूं, सरसों सहित कई फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उपरोक्त जानकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित गांवों लोहारा, सोंटी, दबखेड़ा, गिरधारपुर के इलावा कई गांव का दौरा कर किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने खेतों में जाकर नुकसान का जायजा लिया और किसानों की पीड़ा को करीब से समझा। किसानों ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि ने खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई जगहों पर फसल जमीन पर गिर गई है, जिससे उत्पादन पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने सरकार से मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द तुरंत सर्वे करवाकर किसानों को 50 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दे। ताकि उनकी पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे उनकी आवाज को सरकार तक मजबूती से पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि यह समय किसानों के साथ खड़े होने का है और प्रशासन को जल्द से जल्द नुकसान का आंकलन कर राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे किसानों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ फसल बीमा योजनाओं का लाभ भी शीघ्र मिलना चाहिए, ताकि उन्हें दोबारा खेती करने में कठिनाई न हो। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए और भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच अवतार सिंह, गुरदीप सिंह, इकबाल सिंह, पूर्व सरपंच अमरीक सिंह, दलजीत सिंह, रमेश कुमार ,जागीर सिंह, ध्यान सिंह, शेर सिंह, रमेश हरिपुर, डिम्पल सिंह, हैप्पी, सोंटी सरपंच सुपिंदर सिंह, अमर सिंह, जरनैल सिंह, सतीश कुमार, बलवंत सिंह, दिलावर सिंह, लाभ सिंह, अमरीक सिंह, जागीर सिंह, एवं शमशेर सिंह के इलावा कई किसान व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पोर्टल बनी समस्या

किसानों ने बताया कि फसल तबाही जहां उनके लिए परेशानी का सबब बनी हुई है वहीं टमाटर, मक्की, अजवाइन, प्याज का मेरी फसल मेरा ब्यौरा के पोर्टल पर अपलोड ना होना उनके लिए चिंता बनी हुए है। सरकार को इनका मुआवजा मुहैया करवाना चाहिए ताकि थोड़ी राहत मिल सके।

हंगोला में गर्भवती महिलाओं के लिए मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

रायपुररानी, 9 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह) : गांव हंगोला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए एक दिवसीय मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. शिल्पा गुगलानी ने किया। शिविर में स्वास्थ्य टीम ने महिलाओं को दांतों की सही सफाई की विधि का लाइव डेमो दिखाया और दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली मौखिक स्वच्छता की आदतों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस 2026 की थीम ए-हैप्पी माउथ इस ए-हैप्पी लाइफ के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को जागरूक किया गया कि स्वस्थ मुँह न केवल उनकी सेहत बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नियमित दांतों की देखभाल और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए निपटारा : डीसी अपराजिता

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका निपटारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डीसी अपराजिता वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुन रही थीं। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से समाधान शिविरों में उपस्थित रहें तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें, ताकि लोगों का सरकार और प्रशासन पर विश्वास ओर मजबूत हो। उन्होंने यह भी कहा कि छोटी-छोटी समस्याओं के लिए लोगों को बार-बार चक्कर न काटने पड़ें। इसके बाद डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर लागू करने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान हो और उसकी गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि शिकायत दोबारा लंबित न रहे। ज्यादा पुरानी शिकायतों पर फोकस करके, उनका जल्द निपटान सुनिश्चित करें। डीसी अपराजिता ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रात: 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर एसपी मनप्रीत सिंह, एडीसी सुशील कुमार, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, डीएमसी कपिल शर्मा, एसडीएम संजय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया क्रॉप कटिंग एक्सरसाइज का निरीक्षण, पारदर्शिता के दिए निर्देश

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : एसडीएम अजय हुड्डा ने कस्बे में संचालित क्रॉप कटिंग एक्सरसाइज का रामगढ़ से मटौर रोड पर मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार फसल कटाई प्रयोग सम्पन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार किया जाए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने खेत में चयनित प्लॉट का निरीक्षण करते हुए माप प्रक्रिया, कटाई विधि तथा रिकॉर्ड की भी बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग सरकार की विभिन्न योजनाओं, विशेषकर फसल बीमा एवं उत्पादन आंकलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर को गंभीरता से लें अधिकारी, कोताही बरतने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी : प्रीति

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्त व उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शुक्रवार को समाधान समीक्षा बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निपटान के लिए उचित दिशा निर्देश दें। वीसी उपरांत उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर को गंभीरता से लें अधिकारी, कोताही बरतने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहे, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार के आदेशानुसार आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं।

पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में 12 शिकायतें प्राप्त हुई है जिसमें वार्ड नम्बर 20 निवासी पार्षद विक्रम सिंह ने कांसापुर व ससौली रोड ठीक करवाने बारे, खारवन निवासी कर्मो देवी ने कानूनी कार्रवाई करने बारे, यमुनानगर निवासी रसिक सेवक ने गली ठीक करवाने बारे, जैन कॉलोनी निवासियों ने आवासीय क्षेत्र में अवैध कारखाना बंद करवाने बारे, चनैटी निवासी बबीता ने बिजली का कनेक्शन ठीक करवाने बारे, कांसापुर निवासियों ने कांसापुर की मुख्य सडक़ से अतिक्रमण हटवाने बारे, यमुनानगर निवासी रचना बत्तरा ने प्रोपर्टी आईडी ठीक करवाने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, सीटीएम पीयूष गुप्ता, डीआरओ तरुण सहोता, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, समाधान शिविर के विशेष सदस्य नीरज गुप्ता, खरेती लाल बत्तरा, जगदीश बब्बर, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. अश्वनी अलमादी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डी.ए.वी. कॉलेज, चीका में भव्य प्लेसमेंट ड्राइव, 8 विद्यार्थियों का चयन, 8 लाख तक का पैकेज

चीका/कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डी.ए.वी. कॉलेज, चीका में आज एक सफल और भव्य ऑफलाइन प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें कयू स्पाइडर (टेस्ट यंत्रा सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई) ने भाग लिया। यह प्लेसमेंट ड्राइव कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसने विद्यार्थियों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान किए। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कॉलेज के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की लगन, मेहनत और तकनीकी कौशल ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि कॉलेज के 8 मेधावी विद्यार्थियों का चयन एक प्रतिष्ठित कंपनी में हुआ, जिन्हें 3 लाख से 8 लाख रुपये तक का आकर्षक वार्षिक पैकेज प्रदान किया जाएगा।

पूरी चयन प्रक्रिया अत्यं प्रतिस्पर्धात्मक और बहु-स्तरीय रही। इसमें सबसे पहले प्री-प्लेसमेंट टॉक आयोजित किया गया, जिसमें कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संगठन की कार्यप्रणाली, कार्य-संस्कृति और करियर के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया, जिसमें विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, गणितीय कौशल और तकनीकी ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। एप्टीट्यूड टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट कर ग्रुप डिस्कशन के लिए आमंत्रित किया गया, जहां उनकी संप्रेषण क्षमता, नेतृत्व कौशल और टीमवर्क की परीक्षा ली गई। अंत में फाइनल इंटरव्यू आयोजित किया गया, जिसमें उम्मीदवारों की व्यक्तिगत योग्यता, आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण का आकलन किया गया। इन सभी चरणों में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चयन सुनिश्चित किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जसबीर सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉलेज का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाना भी है, ताकि वे भविष्य में देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज प्रशासन भविष्य में भी ऐसी प्लेसमेंट ड्राइव और करियर उन्मुख कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें और उनका उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. पूर्णिमा और प्रो. वैशाली ने विशेष भूमिका निभाई। उनके प्रयासों और समर्पण के कारण यह आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सका। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी सक्रिय सहयोग दिया और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और निरंतर मेहनत करें। यह प्लेसमेंट ड्राइव कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई है, जिसने न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सही दिशा, मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण पर चला पीला पंजा

करनाल, 9 अप्रैल (मीनाक्षी देवी) : जिला योजनाकार ने बताया कि विभाग की टीम ने गत दिवस डयूटी मैजिस्ट्रेट व पुलिस की अगुवाई में चार अवैध कॉलोनियों व एक अवैध निर्माण के विरूद्ध तोडफ़ोड़ की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी सी. एच डी. सीटी के साथ गांव झंझाड़ी में लगभग 1.2 एकड़ में स्थित थी। इस कालोनी में सभी डी. पी. सी., एक शैड व सडक़ को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार से दूसरी अवैध कालौनी गांव पुण्डरक में लगभग 10 एकड़ में फैली थी, जिसमें दो डी. पी. सी. व सडक़ों को ध्वस्त किया गया। तीसरी अवैध कॉलोनी गांव गुरूनानक द्वार रोड, जिला कारागार के सामने कस्बा करनाल में लगभग 2.5 एकड़ में स्थित थी। इस कॉलोनी में सभी कच्ची सड़कों को ध्वस्त किया गया। चौथी अवैध कॉलोनी केन्द्रीय विद्यालय के सामने कस्बा करनाल में लगभग 17 एकड़ में स्थित थी, जिसमें सीवरेज नेटवर्क व कच्ची सड़कों को ध्वस्त किया गया। इनके साथ ही दून इन्टरनैश्नल स्कूल गांव शाहपुर में स्थित एक अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण करने वालों की लगातार एफ. आई. आर. भी करवाई जा रही है, अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डीलरों के जाल में न फंसें और शहर में बनी वैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीद कर अपना घर बनाएं।

8वें पोषण पखवाड़े की हुई शुरुआत सही आहार पोषण का आधार : मिक्षा रंगा

यमुनानगर, 9 अप्रैल (संजीव कुमार) : जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मीक्षा रंगा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिले में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 8वां पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है इसी कड़ी में खंड रादौर हिरण छप्पर आंगनवाड़ी में पोषण अभियान की कार्यक्रम का आयोजन किया । जिसमें महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कुसुम लता ने ग्रामीण महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक किया सुपरवाईजर वंदना कम्बोज ने बताया पोषण पखवाड़े को लेकर एक सुंदर मॉडल प्रस्तुत किया गया जो सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा वहीं एक गर्भवती महिला को पौष्टिक थाली भेंट की गई । इस वर्ष अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के मानसिक विकास को प्राथमिकता देना है ग्रामीण महिलाओं को उदाहरण देकर बताया कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है जिसमें पहले 1000 दिन बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार पोषण पखवाड़ा पोषण के साथ-साथ मानसिक विकास पर भी केंद्रित रहेगा पोषण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और आंगनवाड़ियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है आंगनवाड़ियों में बच्चों को पोषण के साथ पढ़ाई से भी जोड़ा जा रहा है । पोषण पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है पोषण के लिए महंगे उत्पादों की जरूरत नहीं है इसके लिए घर के आहार को सही प्रकार से लिया जाये फल सब्जियों और सही मात्रा में आहार लिया जाये जंकफूड से परहेज किया जाये । महिलाओं और बच्चों पर ध्यान देते हुए एक पौष्टिक भारत के निर्माण की दिशा में ये प्रयास कारगर सिद्ध होगा इस पखवाड़े का उद्देश्य परिवारों, शिशुओं के स्वस्थ विकास और मस्तिष्क के पोषण में सहायक हों। अभियान की सफलता के लिए सभी को जनभागीदारी करनी होगी

युवाओं के स्किल प्रशिक्षण से मिलेंगे रोजगार के ज्यादा अवसर : नवीन जिन्दल

सांसद नवीन जिन्दल ने महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर का किया निरीक्षण

बाबैन, 9 अप्रैल (राजेश कुमार) : सांसद नवीन जिन्दल ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर पहुंचकर, संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम सांसद नवीन जिन्दल ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और देश को उनके दिए गए योगदान को याद किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली और वहां उपस्थित छात्रों से सीधे संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। निरीक्षण के दौरान सांसद नवीन जिन्दल ने संस्थान की व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण प्रणाली की सराहना की। सांसद नवीन जिन्दल ने छात्रों के लिए संस्थान में बनाए गए जिम का भी निरीक्षण किया। सांसद नवीन जिन्दल ने छात्रों से कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि युवाओं को स्किल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने छात्रों से कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्य, अनुशासन और निरंतर मेहनत अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कौशल प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

इस अवसर पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन से कृष्मन सिंह सैनी ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का यह संस्थान दौरा, महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के प्रशिक्षक, स्टाफ और छात्रों के लिए अत्यंत लाभदायक रहा। सांसद नवीन जिन्दल ने संस्थान का दौरा करते हुए बहुत से महत्वपूर्ण सुझाव दिए ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। अब बहुत जल्दी ही उनके द्वारा दिए गए सुझावों को क्रियान्वित किया जाएगा।

चौथी बार चला पीला पंजा, कब्जे हटाने पहुंची भारी पुलिस-बुजुर्गों की गुहार के बीच गिरा मकान

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : श्री राधा कृष्ण आदर्श गौशाला अमूपुर माजरा के साथ लगती गौचराण जमीन पर लंबे समय से किए गए कब्जे को हटाने के लिए प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई की। चौथी बार चले इस अभियान में प्रशासन का 'पीला पंजा' गरजा और चार जेसीबी मशीनों की मदद से बने हुए मकान और पशुओं के शेड को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। जैसे ही जेसीबी मशीनों ने निर्माण गिराना शुरू किया, वहां मौजूद बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष पुलिस के सामने हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते नजर आए। उनका कहना था कि उनके पास रहने के लिए कोई और जगह नहीं है और हम बेघर हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि हटाए गए कब्जे का मलबा गांव के एक जोहड़ के किनारे डाल दिया गया और जमीन को पूरी तरह खाली करवाया गया। मौके पर थाना प्रभारी श्री भगवान अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने प्रभावित परिवारों को समझाते हुए कहा कि वे अपना सामान सुरक्षित बाहर निकाल लें, प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा और जहां भी वे कहेंगे, वहां तक उनका सामान पहुंचाया जाएगा। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी भी तैनात रहीं ताकि महिलाओं से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता से संभाला जा सके।कार्रवाई के दौरान एक पुलिस कर्मचारी सिर पर साफा बांधकर सामान बाहर निकलवाने में मदद करता नजर आया, जो मानवता का उदाहरण भी बना। प्रशासन की इस कार्रवाई से जहां कब्जा मुक्त जमीन मिली, वहीं प्रभावित परिवारों में भविष्य को लेकर चिंता और आक्रोश भी साफ देखा गया।

पुरुषार्थ जगाओ, व्यसन मिटाओ, आत्मसंयम रखें

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना, शक्ति और अस्तित्व को निगल जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुरुषार्थ को जगाएं और व्यसनों का त्याग करें। इतिहास गवाह है कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, उसने असंभव को संभव कर दिखाया। कोई साधारण व्यक्ति भी अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से महान बन सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके चरण चूमती है। इसके विपरीत जो व्यक्ति व्यसनों के अधीन हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता को समाप्त करता है और उसे गलत निर्णयों की ओर धकेलता है। शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। आज समाज में व्यसनों का विस्तार एक भयावह रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ पर व्यसनों का बाजार सजा हुआ है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी चपेट में आ रही है। शुरुआत में यह केवल एक प्रयोग के रूप में शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और फिर व्यक्ति इसके बिना जी नहीं पाता। वह अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि व्यसन को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है। व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है। भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनों से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है। आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनों से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएं। व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं। साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागेगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता। अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनों का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा। इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनों को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएंगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए।

(रु 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

प्रदोष व्रतकथा से पूरी होती हैं मनुष्य की सभी मनोकामनाएं

सनातन धर्म में व्रत का विशेष महत्व है, लेकिन किसी भी व्रत की पूर्णता उसकी कथा के पाठ से ही होती है। शास्त्रों के अनुसार, अगर कोई जातक पूरे दिन व्रत रखकर महादेव की सेवा करता है, लेकिन प्रदोष काल में व्रत कथा का पाठ नहीं करता, तो उसकी पूजा अधूरी मानी जाती है। इसलिए व्रत के साथ उसकी कथा का पाठ भी जरूर करें या फिर सुनें। प्रदोष व्रत की कथा अटूट विश्वास और भक्ति का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष काल में स्वयं महादेव और माता पार्वती कैलाश पर्वत पर प्रसन्न मुद्रा में नृत्य करते हैं। इस समय कथा पढ़ने से जातक का मन पवित्र होता है और वह अनजाने में किए गए पापों का नाश होता है।

प्राचीन काल में एक ब्राह्मणी थी, जिसके पति का देहांत हो चुका था। उसका कोई सहारा नहीं था, इसलिए वह सुबह होते ही अपने पुत्र के साथ भीख मांगने निकल पड़ती थी। वह खुद भी भिक्षा मांगती और अपने पुत्र का भी पालन-पोषण करती थी। एक दिन जब वह भिक्षा मांगकर लौट रही थी, तो उसे नदी किनारे एक सुंदर बालक दिखाई दिया, जो बहुत उदास बैठा था। वह बालक विदर्भ देश का राजकुमार था। शत्रुओं ने उसके पिता को युद्ध में मार दिया था और उसका राज्य छीन लिया था। ब्राह्मणी को उस बालक पर दया आ गई। वह उसे अपने घर ले आई और अपने पुत्र के समान ही उसका पालन-पोषण करने लगी। कुछ समय बाद, ब्राह्मणी अपने दोनों पुत्रों के साथ शांडिल्य ऋषि के आश्रम गई। वहां ऋषि ने उन्हें प्रदोष व्रत की महिमा बताई और व्रत करने की विधि सिखाई। ब्राह्मणी ने श्रद्धापूर्वक प्रदोष व्रत करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद, दोनों बालक वन में विहार कर रहे थे। वहां उनकी भेंट कुछ गंधर्व कन्याओं से हुई। राजकुमार धर्मगुप्त एक गंधर्व कन्या अंशुमती पर मोहित हो गए। गंधर्व कन्या के पिता को जब पता चला कि वह राजकुमार है, तो उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह राजकुमार धर्मगुप्त से कर दिया। राजकुमार ने गंधर्व राज की सेना की सहायता से अपने शत्रुओं पर आक्रमण किया और अपना खोया हुआ विदर्भ देश का राज्य वापस जीत लिया। उसने ब्राह्मणी के पुत्र को अपना प्रधानमंत्री बनाया और उस ब्राह्मणी को राजमाता का सम्मान दिया। जब ब्राह्मणी ने राजकुमार से उसकी सफलता का कारण पूछा, तो उसने कहा कि यह सब प्रदोष व्रत के प्रभाव और महादेव की कृपा का फल है। तब से यह मान्यता चली आ रही है कि जो भी व्यक्ति प्रदोष व्रत रखकर इस कथा का पाठ करता है, उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। प्रदोष व्रत की कथा हमेशा सूर्यास्त के समय, यानी प्रदोष काल में ही पढ़नी चाहिए। अगर हो पाए, तो परिवार के साथ बैठकर कथा सुनें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो जातक इस कथा का पाठ करते हैं, उन्हें कर्ज से मुक्ति, संतान सुख और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है।

घर में हर चीज वास्तु अनुरूप रखें, आएगी समृद्धि व शांति

हर कोई घर में सुख-शांति और धन चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें-

1 ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2 अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3 पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए।

इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4 दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5 बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6 सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

आत्मजागरण, समत्व और सच्चे दर्शन की ओर एक महान यात्रा

- कांतिलाल मांडोत

मनुष्य जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मा की पहचान और उसके वास्तविक स्वरूप की खोज का माध्यम है। जब तक मनुष्य अपने भीतर छिपे सत्य को नहीं पहचानता, तब तक वह बाहरी संसार में भटकता रहता है। सम्यक्त्व, अर्थात् सम्यक् दर्शन, इस आत्म-जागरण की प्रथम सीढ़ी है। यह वह अवस्था है, जहाँ से आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर अग्रसर होती है और जीवन का सच्चा उद्देश्य स्पष्ट होने लगता है। जैसे सागर का जल ऊपर से खारा प्रतीत होता है, परंतु गहराई में उतरने पर वही जल मधुर हो जाता है, ठीक उसी प्रकार दर्शन का विषय भी प्रारंभ में सामान्य व्यक्ति को नीरस या कठिन लग सकता है। लेकिन जैसे-जैसे साधक इसकी गहराई में उतरता है, उसे इसमें आनंद और शांति का अनुभव होने लगता है। यह अनुभव बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है, जो आत्मा को स्थिरता और संतोष प्रदान करता है। सम्यक्त्व का अर्थ केवल किसी सिद्धांत को स्वीकार करना नहीं है, बल्कि यह आत्मा की एक ऐसी जागृत अवस्था है, जहाँ मिथ्यात्व अर्थात् गलत दृष्टिकोण का प्रभाव समाप्त हो जाता है। जब सम्यक् दर्शन आत्मा में प्रकट होता है, तब वह सूर्य के समान प्रकाशित होता है, जिसके सामने अज्ञान रूपी अंधकार टिक नहीं पाता। यह स्थिति सहज नहीं होती, बल्कि इसके लिए आत्म-पुरुषार्थ, साधना और निरंतर प्रयास आवश्यक है। आज के समय में मनुष्य बाहरी दिखावे और भौतिक सुखों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। वह अपने शरीर, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति को ही अपना सब कुछ मान बैठता है। यही आसक्ति उसे सत्य से दूर ले जाती है। यदि सम्यक्त्व की प्राप्ति करनी है, तो सबसे पहले इस देह और संसार के प्रति अत्यधिक मोह को त्यागना होगा। जब तक मनुष्य अपने भीतर वैराग्य और समत्व की भावना विकसित नहीं करता, तब तक वह आत्मा के सच्चे स्वरूप को नहीं जान सकता। सम्यक्त्व कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जिसे किसी से प्राप्त किया जा सके। यह तो आत्मा का स्वाभाविक गुण है, जो अज्ञान के कारण दबा हुआ है। जब मनुष्य अपने भीतर की चेतना को जागृत करता है, तब यह गुण स्वतः प्रकट हो जाता है। इसके लिए किसी बाहरी आडंबर, दिखावे या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सच्ची साधना और आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता होती है। आत्म-विश्वास इस मार्ग का एक महत्वपूर्ण आधार है। बिना आत्म-विश्वास के कोई भी व्यक्ति आध्यात्मिक प्रगति नहीं कर सकता। जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है, तब वह किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होता। जीवन में मित्र और शत्रु दोनों मिलते हैं, परंतु जिसका आत्म-विश्वास दृढ़ होता है, वह किसी से भयभीत नहीं होता। वह हर स्थिति में संतुलित और स्थिर रहता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ आत्म-विश्वास और सम्यक् दृष्टि के कारण व्यक्तियों ने असंभव को संभव कर दिखाया। यह आत्म-विश्वास ही वह शक्ति है, जो मनुष्य को कठिनाइयों से लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जब मनुष्य अपने भीतर इस शक्ति को जागृत कर लेता है, तब वह बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि स्वयं अपने जीवन का निर्माता बन जाता है। समत्व की भावना भी सम्यक्त्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। जीवन में सुख और दुःख, लाभ और हानि, मान और अपमान आते रहते हैं। जो व्यक्ति इन सभी परिस्थितियों में समान भाव रखता है, वही सच्चा साधक है। जब मनुष्य समत्व को अपनाता है, तब वह कर्मों के बंधन से मुक्त होने लगता है। क्योंकि कर्मों का बंधन राग और द्वेष के कारण ही होता है, और समत्व इन दोनों को समाप्त कर देता है। शरीर के प्रति अत्यधिक मोह भी सम्यक्त्व की प्राप्ति में बाधा है। यह शरीर नश्वर है और रोगों का घर है। जब तक मनुष्य इसे ही अपना सब कुछ मानता रहेगा, तब तक वह दुःखों से मुक्त नहीं हो सकता। लेकिन जब वह समझता है कि वह शरीर नहीं, बल्कि आत्मा है, तब उसके दृष्टिकोण में परिवर्तन आने लगता है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

- ललित गर्ग

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है। हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को राम का दास कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं। हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-ज्ञानिनामग्रगण्यम। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरों में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड

विद्वान थे हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक।

आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना ही हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है। अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है।

अभिभावक और युवा मिलकर बनाएं सुरक्षित समाज

बच्चों को अपराध और नशे से दूर रखें, युवा माता-पिता का सम्मान करें और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से लें सीख : कमलदीप गोयल

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : जिला पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियों और नशे जैसी गंभीर समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए अभिभावकों एवं युवाओं से महत्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, संस्कारित और सशक्त समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि परिवार सजग और जिम्मेदार होगा तो समाज स्वत: ही अपराध और नशे जैसी बुराइयों से मुक्त हो सकेगा। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों, मित्र मंडली और दिनचर्या पर सतर्क नजर रखें। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। आज के डिजिटल युग में बच्चों का अधिकतर समय मोबाइल और इंटरनेट पर व्यतीत होता है, ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि वे यह जानें कि उनके बच्चे किन लोगों के संपर्क में हैं और किस प्रकार की सामग्री देख या साझा कर रहे हैं। समय पर दी गई सही सीख, संस्कार और मार्गदर्शन बच्चों को गलत संगति, नशे और अपराध की राह पर जाने से रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल रोकना-टोकना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें समय देना, उनकी बात सुनना और उनकी समस्याओं को समझना भी उतना ही जरूरी है। यदि बच्चे अपने माता-पिता से खुलकर बातचीत करेंगे तो वे किसी भी प्रकार के दबाव या प्रलोभन में नहीं आएंगे। परिवार का मजबूत सहयोग और सकारात्मक वातावरण ही बच्चों को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। पुलिस अधीक्षक ने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करें और उनके विश्वास को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि माता-पिता का स्नेह, अनुभव और मार्गदर्शन जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। युवा वर्ग को चाहिए कि वे नशे और गलत गतिविधियों से दूर रहकर अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने खिलाड़ियों, राष्ट्रनिर्माताओं और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को अपना आदर्श बनाने की सलाह देते हुए कहा कि सकारात्मक सोच और कड़ी मेहनत से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक रहने की अपील की। यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी या ऑनलाइन ठगी की घटना होती है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दे। त्वरित सूचना से धोखाधड़ी की राशि को बचाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि आसपास कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त में संलिप्त है तो इसकी सूचना 8818001789, 1933 अथवा मानस पोर्टल पर दी जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णत: गुप्त रखी जाएगी। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि पुलिस और जनता के संयुक्त प्रयासों से ही अपराध और नशे पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। समाज के प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है। जागरूकता, सतर्कता और सामूहिक जिम्मेदारी से ही एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है।

असम के मुख्यमंत्री की खरगे पर अपमानजनक टिप्पणी - देश के एससी-एसटी समाज के करोड़ों लोगों का अपमान, प्रधानमंत्री की चुप्पी मजबूरी नहीं, सहमति : राजेश वैध वाल्मीकि

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ की गई दलित-विरोधी और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर देशभर में गुस्सा व आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस के करनाल के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश वैध वाल्मीकि ने अभद्र भाषा को पूरी तरह निंदनीय, शर्मनाक और अस्वीकार्य बताते हुए असम के मुख्यमंत्री (सरमा) से तुरंत माफी मांगने को कहा और साथ ही भाजपा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वे भी सरमा के बयान से सहमत हैं। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध इस्तेमाल की गई च्अभद्र और घटियाज् भाषा को पूरी तरह निंदनीय, शर्मनाक व अस्वीकार्य बताते हुए लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य व जिला अध्यक्ष राजेश वैध ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा कि क्या वह हिमंत सरमा की इस भाषा का समर्थन करते हैं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की चुप्पी मजबूरी नहीं, सहमति है। प्रधानमंत्री अगर देश के करोड़ों दलितों के सम्मान पर हमला होते देख मुँह न खोलें, तो वो न सिर्फ अपनी ज़िम्मेदारी से भाग रहे हैं, बल्कि उस अपमान के हिस्सेदार भी हैं। राजेश वैध ने कहा कि खरगे जी देश के एक वरिष्ठ, लोकप्रिय दलित और जननेता हैं। उनका अनुभव, कद और प्रतिष्ठा अतुलनीय है। उनका अपमान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि इस देश के एससी-एसटी समाज के करोड़ों लोगों का भी अपमान है। सरमा के बयान को भाजपा-आरएसएस की पुरानी और सुनियोजित मानसिकता से जोड़ते हुए राजेश वैध ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। चाहे बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान हो, दलित नेताओं को नीचा दिखाना हो या एससी-एसटी समाज के प्रतिनिधियों पर व्यक्तिगत हमले हों, इतिहास गवाह है कि जब-जब कोई दलित नेता सच बोलता है, तब-तब ये उसे अपमानित करने पर उतर आते हैं। यही इनकी विचारधारा है, यही इनका असली चरित्र और चेहरा है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश वैध ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का च्कौन है खरगे कहना और पागल जैसे सड़कछाप शब्दों का इस्तेमाल करना बेहद आपत्तिजनक है। यह दिखाता है कि वह कितने विचलित हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को इस निंदनीय आचरण के लिए माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने देश के एक ऐसे वरिष्ठ नेता का अपमान किया है, जो बेहद साधारण पृष्ठभूमि से उठकर यहां तक पहुंचे हैं। वैध ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद पर लगे गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण बौखलाए हुए हैं और वह नफरत फैलाने के लिए सबसे घटिया भाषा का इस्तेमाल करने से भी पीछे नहीं हटते। कांग्रेस इस बयान के लिए उनसे बिना शर्त माफी की मांग करती है।वैध ने मुख्यमंत्री सरमा पर जोरदार हमला बोलते कहा, यह सर्वविदित है कि अपनी कुर्सी से विदा लेते असम के मुख्यमंत्री आचरण में तो क्या, भाषा में भी किसी मर्यादा या संयम को नहीं जानते। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और भारतीय संविधान द्वारा संभव हुए सामाजिक सशक्तिकरण के एक मजबूत प्रतीक मल्लिकार्जुन खरगे के प्रति उनका अपमानजनक व्यवहार हर सीमा से परे है। यह न केवल उनकी मानसिक विकृति को उजागर करता है, बल्कि भाजपा की दलित-विरोधी मानसिकता को भी दिखाता है। राहुल गांधी के बारे में उन्होंने जो कहा है, वह भी अत्यंत निंदनीय है।

मढावाला युवा कबड्डी क्लब द्वारा दो दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट 11 से शुरू

पिंजौर, 9 अप्रैल (अजीत सिंह/अख्तर फ़ारूक़ी) : मढावाला युवा

कबड्डी क्लब द्वारा मढावाला सालासर हनुमान मन्दिर के नजदीक दो दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन 11 अप्रैल से करवाया जा रहा है। जिसमें पिंजौर, कालका, आसपास व हिमाचल और पंजाब से भी कबड्डी की टीमें हिस्सा लेने के लिए पहुंचेंगी। इस मौके पर क्लब द्वारा कार्यक्रम के मुख्यातिथि के लिए राजेश कोना पूर्व चेयरमैन जिला परिषद पँचकुला को निमंत्रण दिया गया। इस पर राजेश कोना ने कहा कि हमारे क्षेत्र के बहुत से ऐसे युवाओ के क्लब व संगठन है जो युवाओ की नशो से दूरी बनाए रखने के लिए उन्हें खेलो के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे खेलो के आयोजन करवा रहे हैं। यह इन युवाओं का क्षेत्र के लिए सराहनीय कार्य है, आने वाले दिनों में दून क्षेत्र में युवाओ के ऐसे संगठनों के साथ मिलकर ऐसे ही कार्यो को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य जांच शिविर

करनाल, 9 अप्रैल (सोनी दुआ): जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वीरवार को निर्मल धाम वरिष्ठ नागरिक केंद्र व सुभद्रा वरिष्ठ नागरिक सदन में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डा. इरम हसन ने बताया कि निर्मल धाम वरिष्ठ नागरिक केंद्र व सुभद्रा वरिष्ठ नागरिक सदन में आयोजित शिविर में नरेश रंगा ने वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ रहने के लिए आरामदायक योगा करने व साफ -सफाई का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सुभद्रा वरिष्ठ नागरिक सदन में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की गई और दवाइयां प्रदान की गईं।

'सहकार से समृद्धि' के विजन से प्रेरित वाराणसी में राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलनः सहकारिता सुधारों को जिला स्तर पर लागू करने पर जोर

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) :माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि (Prosperity through Cooperation) के विजन से प्रेरित तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में, सहकारिता मंत्रालय समावेशी विकास और ग्रामीण उन्नति के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु एक व्यापक परिवर्तनकारी एजेंडा को आगे बढ़ा रहा है।इसी दिशा में, 9-10 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दो दिवसीय 'सहकार से समृद्धि' राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केंद्र, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और प्रमुख सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं, ताकि प्रगति की समीक्षा की जा सके और प्रमुख पहलों के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भुटानी ने कहा कि यह अक्टूबर 2024 से देशभर में आयोजित कार्यशालाओं की श्रृंखला का सातवां आयोजन है, जो हितधारकों के बीच समन्वय, आपसी परिचय और साझा सीख को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन बैठकों ने सहयोग का एक मजबूत मंच तैयार किया है और अब समय है कि हम निर्णायक रूप से क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ें। डॉ. भुटानी ने कहा कि पिछले कार्यशालाओं में व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। अब समय आ गया है कि इन पहलों को स्पष्ट और समयबद्ध कार्ययोजनाओं के साथ जिला स्तर पर लागू किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि यद्यपि विभिन्न पहलों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी प्रदर्शन में मौजूद अंतरालों का पुनर्मूल्यांकन करना, राज्यों के साथ समन्वय को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि लक्ष्यों का धरातल पर ठोस परिणामों में रूपांतरण हो।दो लाख PACS के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए, डॉ. भुटानी ने कहा कि जिस गति से इस पहल की शुरुआत हुई थी, उसी गति को बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने प्रगति को तेज करने और वांछित स्तर हासिल करने के लिए सभी हितधारकों के बीच नए सिरे से प्रयास और समन्वय पर जोर दिया।PACS कंप्यूटरीकरण के संबंध में, केंद्रीय सहकारिता सचिव ने कहा कि पिछले 6-9 महीनों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और राज्यों के प्रयास सराहनीय हैं। हालांकि, उन्होंने चेताया कि मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि यह प्रगति मार्च 2027 में योजना अवधि समाप्त होने के बाद भी टिकाऊ बनी रहे। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे इसके लाभों को आत्मसात करें और सुधारों को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने आगे कहा कि जो गति हमने हासिल की है, उसे एक स्थायी प्रणाली में परिवर्तित करना होगा। राज्यों को कंप्यूटरीकरण के दीर्घकालिक महत्व को समझना होगा और इसे योजना से आगे भी जारी रखना होगा।सहकारी बैंकिंग सुधारों के महत्व को रेखांकित करते हुए, डॉ. भुटानी ने राज्यों से ऋण स्वीकृति में तेजी लाने और वर्तमान वित्तीय चक्र के भीतर निधियों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए समन्वित प्रयास, समय पर निर्णय और निरंतर प्रतिबद्धता आवश्यक है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां प्रगति अपेक्षित गति से नहीं हो रही है। सम्मेलन के प्रथम दिवस के सत्रों के दौरान, मंत्रालय की प्रमुख पहलों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद, प्रथम समीक्षा सत्र में PACS और ARDBs के कंप्यूटरीकरण पर चर्चा की गई, जिसमें गुणवत्ता निगरानी, प्रगति का आकलन, Agri Stack, KCC और उर्वरक प्रणालियों जैसे राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण तथा सहकारी बैंकिंग अवसंरचना के साथ समन्वय को मजबूत करने जैसे विषय शामिल थे।इसके बाद के सत्र में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना की समीक्षा की गई, जिसमें FCI, WDRA, CWC, NABARD, NAFED और NCCF सहित प्रमुख एजेंसियों द्वारा विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। इसमें साइट चयन, भंडारण क्षमता योजना, वित्तपोषण, eNWR आधारित प्रणाली और क्रियान्वयन की समयसीमा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई, साथ ही भंडारण तंत्र में सहकारी भागीदारी बढ़ाने की रणनीतियों पर भी विचार किया गया।सम्मेलन में निष्क्रिय PACS के पुनर्जीवन, सदस्यता अभियान तथा PACS को बहु-सेवा केंद्रों में परिवर्तित करने पर भी चर्चा की गई, जिसमें बीज वितरण, उर्वरक आपूर्ति, कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र, डिजिटल सेवाएं और ई-वॉलेट सुविधाएं जैसी गतिविधियां शामिल हैं।आगे की चर्चा में सहकारी बैंकिंग प्रणाली को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें DCCBs के माध्यम से ऋण प्रवाह, साइबर सुरक्षा, आधार सीडिंग, डोरस्टेप बैंकिंग और तकनीकी अपनाने से संबंधित मुद्दे शामिल थे।

महिला महाविद्यालय में महिलाओं के संपत्ति अधिकार विषय पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन

करनाल, 9 अप्रैल (परमजीत कौर) : कुमारी विद्यावती आनंद डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संरक्षण में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, आई.पी.आर. प्रकोष्ठ और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में महिलाओं के संपत्ति अधिकार विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन ऑनलाइन मंच के माध्यम से किया गया। इसमें डॉ. नेहा, सहायक प्राध्यापक, कैंपस लॉ सेंटर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता रहीं। महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू शर्मा ने मुख्य वक्ता डॉक्टर नेहा का स्वागत किया और बताया कि इस व्याख्यान का उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति के स्वामित्व एवं उत्तराधिकार से संबंधित कानूनी प्रावधानों और अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उनकी समझ को सुदृढ़ करना है। महिलाओं को उनके वैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने में विधिक साक्षरता अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात मुख्य वक्ता डॉ. नेहा ने भारत में महिलाओं के संपत्ति संबंधी अधिकारों पर आधारित एक अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम तथा उसके संशोधनों पर विशेष रूप से चर्चा की। मुख्य वक्ता ने उत्तराधिकारी होने का अधिकार, सहभागिता अधिकार तथा संपत्ति अधिकारों से वंचित होने की स्थिति में उपलब्ध कानूनी उपायों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने वास्तविक जीवन के उदाहरणों एवं केस स्टडीज़ को भी साझा कर विषय को और अधिक स्पष्ट किया। छात्राओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता एवं शिक्षा के माध्यम से ही कानूनी अधिकारों और उनके वास्तविक क्रियान्वयन के बीच की दूरी को कम किया जा सकता है। इस सत्र में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, आई.पी.आर. प्रकोष्ठ, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सभी सदस्याओं के साथ-साथ अन्य प्राध्यापिकाओं और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया । अंत में प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासा संबंधी प्रश्नों को पूछ कर शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। डॉ. नादिया चौहान द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मंजू सिंह (संयोजिका- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ), डॉ. सुनीत भंडारी (सह-संयोजिका-आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ), डॉ. अंजू नरवाल (संयोजिका- आई.पी.आर सेल), डॉ. सुनीता देवी (संयोजिका- कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ), डॉ. मोनिका सैनी (सह-संयोजिका-आई.पी.आर. सेल), डॉ. कंवलजीत विर्दी (संयोजिका-महिला प्रकोष्ठ), डॉ. साक्षी अनेजा (सह-संयोजिका-कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ) ने भी कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

कनाडा भेजने का झांसा देकर 20.85 लाख की ठगी, एक आरोपी काबू

वर्क वीज़ा दिलाने के नाम पर वसूली, 4 दिन के रिमांड पर लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

रायपुररानी, 9 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह): विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले में पंचकूला पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने कनाडा का वर्क वीज़ा दिलाने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपये हड़प लिए थे। पुलिस के अनुसार, थाना रायपुररानी में दर्ज इस मामले में 8 अप्रैल को लालित्य हांडा को गिरफ्तार किया गया। उसे अदालत में पेश करने के बाद 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि उससे पूछताछ कर ठगी की रकम की बरामदगी और फरार साथी का सुराग लगाया जा सके। जांच में खुलासा हुआ कि पंचकूला निवासी शिकायतकर्ता ने वर्ष 2023 में कनाडा जाने के उद्देश्य से अमरावती एन्क्लेव स्थित एक कंसल्टेंसी से संपर्क किया था। यह कंसल्टेंसी आरोपी और उसका साथी मिलकर चला रहे थे। दोनों ने 6 महीने के भीतर वीज़ा दिलाने का भरोसा देकर 31.70 लाख रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद आरोपियों ने एग्रीमेंट के नाम पर शिकायतकर्ता से किस्तों में पैसे वसूलने शुरू किए और कुल 20.85 लाख रुपये ले लिए। इसके बावजूद न तो वीज़ा दिलाया गया और न ही रकम लौटाई गई। जब शिकायतकर्ता ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उसे गुमराह किया और बाद में धमकियां भी दीं। इसके बाद दोनों आरोपी दफ्तर बंद कर फरार हो गए और अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर ठगी करने की बात स्वीकार की है। अब पुलिस उसके बयान के आधार पर राजस्थान में रकम की बरामदगी और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। प्रेसवार्ता के दौरान डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील की है कि विदेश भेजने के नाम पर किसी भी एजेंसी को पैसे देने से पहले उसकी पूरी तरह जांच अवश्य करें।

तरावड़ी के सरकारी अस्पताल में रक्तदान शिविर 11 अप्रैल को : वीरेंद्र जांगड़ा

तरावड़ी, 9 अप्रैल (छाया शर्मा) : तरावड़ी पत्रकार एकता मंच की ओर से शिक्षक, स्वच्छता व पर्यावरण प्रेमी स्वर्गीय जय भगवान जांगड़ा की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरावड़ी में रक्तदान शिविर का आयोजन 11 अप्रैल को किया जाऐगा। मंच के प्रधान वीरेंद्र जांगड़ा ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में लगभग 100 से अधिक रक्तदाता रक्तदान करेंगे। तरावड़ी एकता मंच का यह 9वां रक्तदान शिविर है और अभी तक मंच इन रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग एक हजार यूनिट रक्त लोगों को जागरूक कर दान करवा चुका है। उन्होंने बताया कि रक्तदान को लेकर कुछ लोगों में आज भी भ्रातिंया है कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है, लेकिन ऐसा नही है बल्कि रक्तदान करने से शरीर के अंदर खुन स्वयं फिल्टर हो जाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी किस्म का किया दान उतना पुण्य नही दिला पाता जितना रक्तदान करने से मिलता है, क्योंकि हमारे द्वारा किया गया रक्तदान गरीब महिलाओं के प्रसव के दौरान काम आता है और जो बच्चे थलीसिमिया के मरीज है उन्हें खुन की हर सप्ताह जरूरत पड़ती है। उन्होंने बताया कि मंच ने 11 अप्रैल के रक्तदान की तैयारियां शुरू कर दी है और उनका प्रयास रहेगा कि तरावड़ी शहर के हर रक्तदाता तक पहुंचकर उन्हें प्रेरित कर उनसे रक्तदान करवा जाए। इस अवसर पर राजकुमार खुराना, रोहित लामसर, संदीप कटारिया व पंकज ठाकुर उपस्थित रहे।

रायपुररानी में दो युवकों की दुखद मौत, इलाके में शोक का माहौल

आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव ने लिया 30 वर्षीय युवक का जीवन

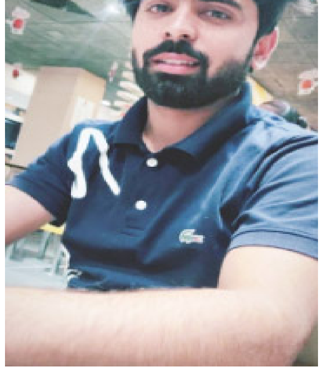

रायपुररानी, 9 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी थाना क्षेत्र में वीरवार को दो अलग-अलग घटनाओं में दो नव-युवकों की मौत ने पूरे इलाके को शोक और चिंता में डाल दिया। स्थानीय पुलिस प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक मामले में रायपुररानी निवासी 30 वर्षीय युवक रमन ने दुकान का काम-धंधा ठीक न चलने के कारण मानसिक रूप से परेशान होकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। वहीं, एक अन्य मामले में गाँव हंगोली निवासी 27 वर्षीय युवक गुरप्रीत की नागरिक अस्पताल सेक्टर-6 पंचकूला में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि दोनों मामलों में कानूनी कार्रवाई और जांच जारी है। उन्होंने बताया कि आत्महत्या के मामले में मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक दबाव को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है।

शहर की सूरत बदलने का संकल्प : वार्ड-वार निरीक्षण अभियान तेज

मेयर प्रतिनिधि बृज गुप्ता ने निगम अधिकारियों के साथ किया वार्ड 5 का दौरा, निगम अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के दिशा निर्देश

करनाल, 9 अप्रैल (संदीप रोहिला) : नगर निगम प्रशासन ने शहर को और अधिक स्वच्छ, सुंदर, विकसित और आदर्श बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए मेयर प्रतिनिधि बृज गुप्ता की अगुवाई में वार्ड-वार निरीक्षण अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में वीरवार को वार्ड नंबर 5 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण कर विकास कार्यों एवं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान कार्यों की प्रगति और वस्तु स्थिति का जायजा लेते हुए निर्धारित समयावधि में सभी प्रकार की बाधाओं और समस्याओं के समुचित समाधान के दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मेयर प्रतिनिधि बृज गुप्ता क्षेत्रीय पार्षद और निगम के अधिकारियों के साथ सबसे पहले कम्बोपुरा सामुदायिक केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और आम जन की आवश्यकताओं के अनुरूप किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक विचार विमर्श किया। इसके बाद वे श्री कृष्णा वृद्ध आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रम में वृद्धजनों से संवाद करते हुए उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी हासिल की। इसी क्रम में निगम के कार्य क्षेत्र में आने वाले जलघर, पार्कों के सौंदर्यकरण कार्य, नगर निगम की भूमि, पॉम एन्कलेव की सड़क, रावर रोड स्थित सीताराम कुटिया के पास लाइट व्यवस्था, अशोक विहार कॉलोनी, विकास कॉलोनी की स्ट्रीट लाइटें तथा कटेबाग-सूरज नगर की जोहड़ वाली गलियों का दौरा किया गया। इन सभी के संबंध में आवश्यकता के अनुरूप कार्य करवाने की हिदायत देते हुए मेयर प्रतिनिधि बृज गुप्ता ने कहा कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और इनकी नियमित मॉनिटरिंग पर पूरा फोकस है। निरीक्षण में साफ-सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने, स्ट्रीट लाइटों की तुरंत मरम्मत व विस्तार, सडकों के सुधार और गली निर्माण कार्यों में तेजी लाने, पार्कों के सौंदर्यकरण को प्राथमिकता देने तथा जलापूर्ति व सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के स्पष्ट निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुगम सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें। इस अवसर पर पार्षद सुभाष कंबोज, एसडीओ अनूप, कनिष्ठ अभियंता संचित वर्मा, सोहन सिंह, संदीप, सतीश कुमार मित्तल, अक्षय कंबोज, रवि, जितेंद्र, रोहित गांधी, पृथ्वीराज, सुरेश कुमार, श्याम लाल, मंगलेश व बलवान सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे इसके अलावा निरीक्षण के दौरान विकास कॉलोनी में आयोजित बैठक में क्षेत्रवासियों ने कनिका विहार एवं विकास कॉलोनी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को विस्तार से रखा। मेयर प्रतिनिधि ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान जसवीर राणा, राजेश गोयल, कृष्ण जागलान, संजय मित्तल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हर वार्ड में मिलेगी विकास को गति – नगर निगम प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि अब हर वार्ड में पहुंचकर हर समस्या का समाधान किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ मिलकर शहर के समग्र विकास को गति दी जाएगी तथा कोई भी क्षेत्र या सुविधा अब उपेक्षित नहीं रहने दी जाएगी। जमीनी स्तर पर निरीक्षण, संवाद और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से शहर में विकास की नई तस्वीर तैयार की जाएगी। मेयर प्रतिनिधि बृज गुप्ता ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अमूल्य सुझाव, विचार और फीडबैक अवश्य साझा करें, ताकि इस विकास प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आपका सहयोग—हमारा संकल्प की सोच के साथ करनाल को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श शहर बनाएंगे।

घरौंडा विधान सभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (के.के.संधू): हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अपने विधान सभा क्षेत्र घरौंडा के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग, वन विभाग तथा सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह तथा सिंचाई विभाग के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर संजय राहड़ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान घरौंडा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि प्रशासनिक और तकनीकी स्वीकृतियों की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि विकास कार्यों में कोई देरी न हो। बैठक में एनसीसी एकेडमी भवन के निर्माण, बसताड़ा के कन्या महाविद्यालय तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। करनाल रिंग रोड से लेकर पं. दीन दयाल मेडिकल यूनिवर्सिटी-कुटैल अप्रोच रोड तक पक्के नाले के दोनों किनारों पर निर्माण और सौंदर्यीकरण को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान नाबार्ड की सहायता से शुरू होने वाली मुनक माइनर की गगसिना से बिजना तक रिमॉडलिंग परियोजना पर भी बात हुई। साथ ही गांवों के सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि जनता को समय पर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाई 14 जून : उत्तम सिंह

करनाल, 9 अप्रैल (यशपाल कादियान) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को निशुल्क अपडेट कराने की तारीख बढ़ाकर 14 जून कर दी गई है। यह मुफ्त सेवा केवल च्माय आधार पोर्टलज् पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को नाम, जन्म तिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है। उपायुक्त ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी है। नागरिक खुद भी http://uidai.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर इसे अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर आधार कार्ड अपडेट कराया जा सकता है।

गौमाता की सेवा को बनाएं अपनी दिनचर्या का हिस्सा : संजय सिंगला

बोले : गौसेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य, लोगों से गौशालाओं में सेवा करने की अपील

तरावड़ी, 9 अप्रैल (छाया शर्मा): श्रीराम ग्रुप के सी.एम.डी. संजय सिंगला ने कहा कि गौमाता की सेवा हम सभी की जिम्मेदारी है और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है, जिससे समाज में सकारात्मकता और करुणा की भावना मजबूत होती है। संजय सिंगला ने लोगों को गौसेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि गौमाता में 36 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है, इसलिए हमें श्रद्धा और सेवा भाव से गौमाता की देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय निकालकर गौशालाओं में जाकर गौसेवा करनी चाहिए और गौमाता के संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं सड़क पर घायल या तड़पता हुआ गौवंश दिखाई दे तो उसे अनदेखा न करें, बल्कि उसे नजदीकी गौशाला या किसी सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का प्रयास करें। इससे न केवल गौवंश की रक्षा होगी बल्कि मानवता का भी परिचय मिलेगा। संजय सिंगला ने कहा कि गौसेवा से समाज में दया, सेवा और धर्म की भावना का विस्तार होता है और हर व्यक्ति को इस पुण्य कार्य में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए।

करनाल रेलवे स्टेशन पर डीआरएम का स्वागत,रखी कर्मचारियों की समस्याएं

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन, पानीपत शाखा द्वारा करनाल रेलवे स्टेशन पर रेल मंडल प्रबंधक नई

दिल्ली रुपेश आर. त्रिपाठी के आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर शाखा मंत्री मोहिंदर सिंह के नेतृत्व में यूनियन के पदाधिकारियों, डेलीगेट्स एवं कर्मठ साथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने पानीपत शाखा के कर्मचारियों को आ रही विभिन्न समस्याओं से मंडल रेल प्रबंधक को अवगत कराया। साथ ही कर्मचारियों की मांगों एवं मुद्दों से संबंधित एक विस्तृत एजेंडा भी उन्हें सौंपा गया। मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी ने यूनियन की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें जल्द से जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस आश्वासन के बाद कर्मचारियों में सकारात्मक उम्मीद जगी है। यूनियन पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगा, जिससे कार्य व्यवस्था और कर्मचारियों का मनोबल दोनों मजबूत होंगे।

एंटी व्हीकल थेप्ट सेल की टीम ने बाइक चोर के दूसरे साथी को भी किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस की एंटी व्हीकल थेप्ट सेल की टीम ने गत दिवस नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार किये गये बाइक चोर के दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम ने गुप्त सूचना पर दादूपुर पुल से गांव इब्राहिमपुर निवासी मतलुब पुत्र गुलामधीन को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार किया था। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि उसने यह बाइक अपने ही गांव के खालिद उर्फ शकील के साथ मिलकर चोरी की थी। पुलिस टीम कार्रवाई करते हुए आरोपी खालिद को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हमारा लक्ष्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता को संतुष्टि देना प्रमुख है- उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया

जिले में 94 प्रतिशत शिकायतों का समाधान, प्रशासन की बड़ी उपलब्धि

पानीपत, 9 अप्रैल (हरप्रीत छत्तवाल) हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने गुरुवार को प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों की प्रगति जानने के लिए विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सीधे सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविर केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि यह सरकार की जवाबदेही और जनता के प्रति संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। समाधान शिविर के दौरान मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने हर व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना और उसका समाधान तय समय सीमा में करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। सरकार का लक्ष्य केवल समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि उनका स्थायी समाधान करना है। उपायुक्त डॉ विरेंदर कुमार दहिया ने मुख्य मंत्री से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए कहा कि इन शिविरों में सबसे अधिक समस्याएं फैमिली आईडी में आय संशोधन, राशन कार्ड बनवाने, बिजली और पेंशन से संबंधित सामने आती हैं। प्रशासन इन सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कर रहा है। डॉ विरेंदर कुमार दहिया ने कहा कि जिले में समाधान शिविरों के माध्यम से अब तक 94 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है, जो प्रशासन की प्रतिबद्धता और कार्यक्षमता का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि हर शिकायतकर्ता को संतुष्टि देना है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप पूरा प्रशासन लगातार सक्रिय है और हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि शेष सभी समस्याओं का भी शीघ्र समाधान हो। 'जीरो पेंडेंसी' की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने समाधान शिविरों में पुलिस विभाग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। समाधान शिविरों के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत किया जा रहा है। हर शिकायत की निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। हमारा उद्देश्य है कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रहे और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिले। पुलिस विभाग हर नागरिक की समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।एडीसी अंकित चौकसे ने समाधान शिविरों की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बना रही है। समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रहे हैं। हर शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर लिया जा रहा है और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। पारदर्शिता और जवाबदेही हमारी कार्यशैली का प्रमुख आधार है।सीईओ डॉ किरण और डीडीपीओ राजेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान शिविरों का व्यापक प्रभाव देखने को मिल रहा है। पंचायत स्तर पर समस्याओं का तेजी से समाधान किया जा रहा है, जिससे लोगों का प्रशासन पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को समाधान शिविर में पहुंचे शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। प्रार्थी सकीला ने राशन कार्ड बनवाने की समस्या रखी, वहीं आबिदा ने फैमिली आईडी में आय कम करवाने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता कौशिक ने बलाना गांव की 42 महिलाओं को 100-100 गज के प्लॉट दिलवाने के लिए अनुरोध किया, जिस पर प्रशासन ने तुरंत सर्वे करवाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, मांडी गांव की एक महिला के 25 हजार रुपये के बिजली बिल को ठीक करवाने की मांग उन्होंने रखी, जिस पर भी त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रार्थी यशपाल मलिक ने असंध पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन से अनुरोध किया और पुल की जर्जर स्थिति के कारण होने वाले हादसों का उल्लेख किया। वहीं, कुराड निवासी राममेहर ने 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' योजना के तहत अपनी फसल का विवरण अपडेट करवाने का अनुरोध किया। समाधान शिविर में लगभग 14 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें फैमिली आईडी में संशोधन, अवैध कब्जे, बिजली बिल कम करवाने, पेंशन बनवाने और पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। प्रशासन द्वारा अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

बरसात व ओलावृष्टि से फसलें तबाह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

बाबैन, 9 अप्रैल (राजेश कुमार) : लाडवा हल्के में गत दिवस हुई तेज बरसात और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। गेहूं, सरसों सहित कई फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उपरोक्त जानकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित गांवों लोहारा, सोंटी, दबखेड़ा, गिरधारपुर के इलावा कई गांव का दौरा कर किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने खेतों में जाकर नुकसान का जायजा लिया और किसानों की पीड़ा को करीब से समझा। किसानों ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि ने खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई जगहों पर फसल जमीन पर गिर गई है, जिससे उत्पादन पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने सरकार से मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द तुरंत सर्वे करवाकर किसानों को 50 हजार रूपये प्रति एकड़ मुआवजा दे। ताकि उनकी पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे उनकी आवाज को सरकार तक मजबूती से पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि यह समय किसानों के साथ खड़े होने का है और प्रशासन को जल्द से जल्द नुकसान का आंकलन कर राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे किसानों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ फसल बीमा योजनाओं का लाभ भी शीघ्र मिलना चाहिए, ताकि उन्हें दोबारा खेती करने में कठिनाई न हो। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए और भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष गुरुदेव सुरा, पूर्व सरपंच अवतार सिंह, गुरदीप सिंह, इकबाल सिंह, पूर्व सरपंच अमरीक सिंह, दलजीत सिंह, रमेश कुमार ,जागीर सिंह, ध्यान सिंह, शेर सिंह, रमेश हरिपुर, डिम्पल सिंह, हैप्पी, सोंटी सरपंच सुपिंदर सिंह, अमर सिंह, जरनैल सिंह, सतीश कुमार, बलवंत सिंह, दिलावर सिंह, लाभ सिंह, अमरीक सिंह, जागीर सिंह, एवं शमशेर सिंह के इलावा कई किसान व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पोर्टल बनी समस्या –किसानों ने बताया कि फसल तबाही जहां उनके लिए परेशानी का सबब बनी हुई है वहीं टमाटर, मक्की, अजवाइन, प्याज का मेरी फसल मेरा ब्यौरा के पोर्टल पर अपलोड ना होना उनके लिए चिंता बनी हुए है। सरकार को इनका मुआवजा मुहैया करवाना चाहिए ताकि थोड़ी राहत मिल सके।